दीनी मालूमात

(प्रश्न - उत्तर के रूप में)

"DINI - MAALOOMAT"

In the form of question and answer in Hindi Language

Published by:
Nazarat Nashr-o-Ishaat
Qadian - 143516
Distt. Gurdaspur, Punjab (India)

First Edition in Hindi - June 2002

Copies - 3000

Printed at:
Fazle Umar Printing Press, Qadian.

सूचि

بِسۡمِ اللّٰہِ الرَّحۡمٰنِ الرَّحِیۡمِ
نَحۡمَدُہٗ وَنُصَلِّیۡ عَلٰی رَسُوۡلِہِ الۡکَرِیۡمِ
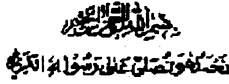
ख़ादिम का वचन

اَشۡھَدُ اَنۡ لَّاۤ اِلٰہَ اِلَّا اللّٰہُ وَحۡدَہٗ لَا شَرِیۡکَ لَہٗ وَاَشۡھَدُ اَنَّ مُحَمَّدًا عَبۡدُہٗ وَرَسُوۡلُہٗ ط

मैं इकरार करता हूँ कि दीनी कौमीं और मिल्ली मफ़ाद की ख़ातिर मैं अपनी जान, माल, वक्त और इज़्ज़त को क़ुर्बान करने के लिए हर दम तय्यार रहूँगा । इसी तरह ख़िलाफ़ते अहमदिय्या के कायम रखने की ख़ातिर हर क़ुरबानी के लिए तय्यार रहूँगा और खलीफा-ए-वक्त जो भी मअरूफ फैसला फ़रमाएंगे उस की पाबंदी करनी ज़रूरी समझूंगा । (इंशाअल्लाह तआला)

(खुद्दाम इस वचन को हर इजलास और इजतिमाअ (अधिवेशन) में दुहराया करें ।)

तिफ़ल (बच्चा) का वचन

اَشۡھَدُ اَنۡ لَّاۤ اِلٰہَ اِلَّا اللّٰہُ وَحۡدَہٗ لَا شَرِیۡکَ لَہٗ وَاَشۡھَدُ اَنَّ مُحَمَّدًا عَبۡدُہٗ وَرَسُوۡلُہٗ ط

मैं वादा करता हूँ कि दीने इस्लाम और जमाअते अहमदिय्या कौम और वतन की खिदमत के लिए हर दम तय्यार रहूँगा हमेशा सच बोलूँगा किसी को गाली नहीं दूंगा और हज़रत खलीफतुल मसीह की तमाम नसीहतों पर अमल करने की कोशिश करूँगा । (इन्शाअल्लाह तआला)

بسم الله الرحمن الرحيم

نحمده ونصلي على رسوله الكريم

अल्लाह तआला, इस्लाम, कुर्आन मजीद

प्रश्न 1. अल्लाह तआला का ज़ाती नाम क्या है ? और उससे क्या मुराद (मतलब) है ?

उत्तर:- ज़ाती नाम "अल्लाह" है । वह ज़ात जो तमाम खुबीयों से पुर और तमाम ऐबों से पाक है । अल्लाह का यह नाम उस के अतिरिक्त किसी के लिए नहीं बोला जाता ।

प्रश्न 2. अल्लाह तआला के कितने सिफ़ाती नाम कुर्आन मजीद में बयान हुए हैं ?

उत्तर:- 104 सिफ़ाती नाम आए हैं । जैसेकि :- अररहमान, अररहीम, अलहय्यो, अलकय्यूमों आदि । (दीबाचा तफ़सीरुल कुर्आन अज़ हज़रत मुसलेह मौऊद पृष्ठ 308)

प्रश्न 3. अल्लाह तआला के अस्तित्तव का एक सबूत कुर्आन करीम से बयान करें ।

كَتَبَ اللّٰهُ لَاَغْلِبَنَّ اَنَا وَرُسُلِيْ ط (مجادلہ آیت:22)

उत्तर:- गल्बाए रुसल (रसूलों की विजय) फ़रमाया :- कतबल्लाहो लअग़लेबन्ना अना व रोसोली (मुजादला-22) यानी अल्लाह ने फैसला कर छोड़ा है कि मैं और मेरे रसूल विजयी रहेंगे ।

प्रश्न 4. इस्लाम के अर्थ क्या हैं ?

उत्तर:- फ़रमाँबरदारी व इताअत (आज्ञाकारी) -

इस्लाम चीज़ क्या है ख़ुदा के लिए फ़ना
तरके रज़ाए खोएश पै मरज़ीए ख़ुदा

प्रश्न 5. इस्लाम के बुनीयादी अरकान लिखें ?

उत्तर:- इस्लाम के बुनीयादी अरकान पांच हैं - (1) कलमा तय्यबा (2)

नमाज़ (3) रमज़ान के रोज़े (4) ज़कात (5) हज ।

प्रश्न 6. कलमा तय्यबा लिखिए ।

उत्तरः- لَآ اِلٰهَ اِلَّا اللّٰهُ مُحَمَّدٌ رَّسُوْلُ اللّٰهِ

ला इलाहा इल्लल्लाहो मोहम्मदुर रसूलुल्लाह ।

प्रश्न 7. अरकाने ईमान कितने हैं ? और कौन-कौन से ?

उत्तरः- अरकाने ईमान छे हैं - अल्लाह पर ईमान लाना, उसके फ़रीश्तों पर ईमान लाना, उसकी किताबों पर ईमान लाना, उसके रसूलों पर ईमान लाना, यौमे आखरत पर यानी क्यामत के दिन पर ईमान लाना, और ख़ैर और शर की तकदीर पर यकीन रखना ।

प्रश्न 8. क़ुर्आन करीम की कितनी सूरतें, आयतें, रुकू और कितने शब्द हैं ?

उत्तरः- क़ुर्आन करीम की 114 सूरतें, 6666 आयात, 540 रुकू, 86430 शब्द हैं । नोट :- आयात और अलफ़ाज़ की तादाद में इखतेलाफ हैं । उसका कारण ये है कि कुछ लोग बिसमिल्ला को हर सूरत की आयत शुमार करते हैं और कुछ नहीं । इसी तरह कुछ के नज़दीक चन्द जुमले एक आयत होते हैं, जबकि दूसरों के नज़दीक वो पूरी आयत नहीं होते वरना सब के नज़दीक इतफाक के साथ क़ुर्आन करीम बिसमिल्लाह की अलिफ से लेकर वन्नास की सीन तक बिल्कुल वही है जो आँहज़रत सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम पर उतरा था ।

प्रश्न 9. क़ुर्आन करीम के जमाँ करने और लिखने के विशय में संक्षिप्त से लिखें ।

उत्तरः- नबी करीम सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम ने खुद इलहामे इलाही के अंतरगत क़ुर्आन करीम को इकट्ठा किया और वही इलाही के मुताबिक तरतीब देकर और लिखवाकर महफ़ूज़ किया । हज़रत अबुबकर रज़ीअल्लाहो अन्हो ने अपने ज़माना खिलाफ़त में हज़रत जैद बिन साबित रज़िअल्लाहो अन्हो से जो वही लिखने वाले थे उस लिखे हुए क़ुर्आन कि जुज़ बंदी करवाकर इसे एक सहीफ़ा के

शकल में महफ़ूज़ किया । इस के बाद हज़रत उसमान रज़ीअल्लाहो अन्हो ने अपने दौरे खिलाफत में इसी सहीफ़ा इलाही की चन्द नकलें करवा कर एक-एक कापी इस्लामी देशों में भिजवाईं और इस तरह क़ुर्आन करीम को दुनीया में फैलाया । आज क़र्आन करीम उसी सूरत में हमारे सामने है । (दीबाचा तफ़सीरुल क़ुर्आन पृष्ठ 257)

प्रश्न 10. हिफ़ाज़ते क़ुर्आन करीम के विषय में अल्लाह तआला ने क्या वादा फ़रमाया है ?

उत्तर:- إِنَّا نَحْنُ نَزَّلْنَا الذِّكْرَ وَإِنَّا لَهُ لَحٰفِظُوْنَ ٥ (الحجر:10)

इन्ना नहनो नज़्ज़लनज़ ज़िकरा व इन्ना लहू लहाफेज़ून । अर्थ:- इस ज़िकर अर्थात् क़ुर्आन को हमने ही उतारा है और हम यकीनन उसकी हिफाज़त करेंगे ।

प्रश्न 11. क़ुर्आन करीम की पहली दो और आखरी दो सुरतों के नाम बताएँ ?

उत्तर:- पहली दो सूरतें फातीहा और सूरा: बकरा हैं और आखरी दो सूरा: अलफ़लक और सूरा: अन्नास हैं । आखरी दोनों सुरतों को ''मुअव्वज़ तैन'' भी कहते हैं । क्योंकि ये दोनों ''कुल आऊज़ो'' से शुरू होती हैं । इन दोनों में आखरी ज़माने के फ़ितने से महफूज़ रहने की दुआ भी सिखाई गई हैं ।

प्रश्न 12. क़ुर्आन करीम की सबसे बड़ी और सबसे छोटी सुरत कौन सी है ?

उत्तर:- सुरा: बकरा सबसे बड़ी और सूरा: कौसर सबसे छोटी है ।

प्रश्न 13. नुज़ुल (उतरने) के लिहाज़ से क़ुर्आन करीम की पहली और आखरी आयत कौन सी है ?

उत्तर:- सबसे पहली आयत -

اِقْرَاْ بِاسْمِ رَبِّكَ الَّذِىْ خَلَقَ ٥ (سورة العلق:2)

''इकरा बिसमे रब्बेकल्लज़ी खलक'' (सूरा अलक-2) । अर्थ : अपने रब का नाम ले कर पढ़ जिसने (सब चीज़ों को) पैदा

किया ।

आखरी आयत -

وَاتَّقُوْا يَوْمًا تُرْجَعُوْنَ فِيْهِ إِلَى اللّٰهِ (بقره:282)

''वत्ताकू योमन तुरजऊंना फीहे इललला‍ह (बकरा - 282) । अर्थ: उस दिन से डरो जिसमें तुम्हें अल्लाह की तरफ़ लौटाया जायगा । आखरी आयत के बारे में मुखतलीफ (विभिन्न प्रकार की) रिवायात हैं एक मशहूर रिवायात में ये आयत बयान हुई है।

प्रश्न 14. क़ुर्आन करीम की मौजूदा तरतीब में सबसे पहला हुकम कौनसा है ?

उत्तरः- يٰۤاَيُّهَا النَّاسُ اعْبُدُوْا رَبَّكُمُ الَّذِيْ خَلَقَكُمْ وَالَّذِيْنَ مِنْ قَبْلِكُمْ لَعَلَّكُمْ تَتَّقُوْنَ ۝ (بقره:٢٢)

या अय्योहन्नासोअ बोदू रब्बाकुमुल्लज़ी खलककुम् वल्लज़ीना मिनकबलेकुम् लाअल्लाकुम तत्ताकून (बकरा-22) । अर्थ : ऐ लोगो अपने (उस) रब की इबादत करो जिसने तुम्हें (भी) और उन्हें (भी) जो तुमसे पहले गुज़रे हैं, पैदा किया है ताकि तुम (हर किस्म की मुसीबतों से) बचो ।

प्रश्न 15. सूराः बकरा कि पहली सतरा (17) आयतों में कितने गिरोहों का ज़िकर है ? उनके नाम बताएं ।

उत्तरः- तीन का ज़िकर है । मुत्तकी, काफ़र और मुनाफ़िक ।

प्रश्न 16. क़ुर्आन करीम की किस सूराः से पहले बिस्मिल्लाह नहीं आई ? और क्यों ?

उत्तरः- सूराः ''तौबा'' से पहले बिस्मिल्लाह नहीं आई । क्योंकि ये सुराः पहली सूराः अनफ़ाल का ही हिस्सा है ।

प्रश्न 17. क़ुर्आन करीम की किस सूराः में बिस्मिल्लाह दो बार आई है ?

उत्तरः- सूराः नमल में । एक बार शुरू में और एक बार आयत 31 में ।

प्रश्न 18. कोई तीन क़ुर्आनी दुआएं बताएँ ?

उत्तर:- رَبَّنَآ اَفْرِغْ عَلَيْنَا صَبْرًا وَّثَبِّتْ اَقْدَامَنَا وَ انْصُرْنَا عَلَى الْقَوْمِ الْكٰفِرِيْنَ ○(بقرہ:۲۵۱)

(1) रब्बना अफ़रिग़ अलैना सबरों व सब्बीत अकदामना वन् सुरना अलल कौमिल काफेरीन । (बकरा-251) अर्थात् ऐ हमारे रब हम पर कुव्वते बरदाश्त की शक्ति उतार और हमारे कदम जमाए रख और उन इनकार करने वालों के ख़िलाफ हमारी मदद कर ।

رَبِّ زِدْنِيْ عِلْمًا ○ (طه:115)

(2) रब्बे ज़िदनी इल्मा (ताहा-115) अर्थात् ऐ मेरे रब मेरे इलम को बढ़ा ।

رَبَّنَآ اٰتِنَا فِى الدُّنْيَا حَسَنَةً وَّفِى الْاٰخِرَةِ حَسَنَةً وَّقِنَا عَذَابَ النَّارِ ○(بقرہ:۲۰۲)

(3) रब्बना आतेना फ़िद्दुनिया हसनतांव् व फ़िल आखिरते हसनतौं व केना अज़ाबन् नार (बकरा-202) । अर्थ ऐ हमारे रब हमें इस दुनिया की ज़िन्दगी में भी कामयाबी दें और आख़िरत में भी कामयाबी दे और हमें आग के अज़ाब से बचा ।

प्रश्न 19. क़ुर्आन करीम में आँहज़रत सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम का मुबारक नाम कितनी बार आया है ? किसी एक स्थान का ज़िकर करें ।

उत्तर:- क़ुर्आन करीम में आँहज़रत सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम का नाम चार बार आया है । सूराः आले इमरान आयत 145, सूराः एहज़ाब आयत 41, सूराः मुहम्मद आयत 3, सूराः फताह आयत 30 ।

مُحَمَّدٌ رَّسُوْلُ اللّٰهِ ؕ وَالَّذِيْنَ مَعَهٗٓ اَشِدَّآءُ عَلَى الْكُفَّارِ رُحَمَآءُ بَيْنَهُمْ (فتح:۳۰)
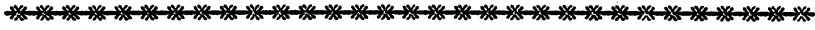
मुहम्मदु रसुलुल्लाह वल्लज़ीना माअहू अशिद्दाओ अलल् कुफ़्फ़ारे रोहमाओ बैनहुम (फताह-30) । अर्थ : मुहम्मद अल्लाह के रसुल हैं और जो लोग उनके साथ हैं वह (लड़ने वाले) इन्कार करने वालों के विरुद्ध बड़ा जोश रखते हैं लेकिन आपस में एक दुसरे से बहुत नरमी करने वाले हैं ।

प्रश्न 20. आँ हज़रत सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम के ख़ातमुन नबिय्यीन और रहमतुल्लिल आलमीन होने का किस सूरत और किस आयत में ज़िकर है ?

उत्तर:- ख़ातमुन नबिय्यीन होने का ज़िकर सुरा एहज़ाब आयत 41 में है । फ़रमाया -

مَا كَانَ مُحَمَّدٌ اَبَآ اَحَدٍ مِّنْ رِّجَالِكُمْ وَلٰكِنْ رَّسُوْلَ اللّٰهِ وَخَاتَمَ النَّبِيّٖنَ ط

मा काना मुहम्मदुन अबा अहदीम मिर रिजालेकुम वलाकिन् रसूलल्लाहे व ख़ातमन् नबिय्यीन । अर्थ : ना मुहम्मद सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम तुम में से किसी मरद के बाप थे ना हैं (ना होंगे) लेकिन अल्लाह के रसुल हैं और नबीयों की मोहर हैं । और रहमतुल्लिल आलमीन होने का ज़िकर सूराः अम्बिया आयत 108 में है । फ़रमाता है :-

وَمَآ اَرْسَلْنٰكَ اِلَّا رَحْمَةً لِّلْعٰلَمِيْنَ ٥

वमा अरसलनाका इल्ला रहमतल्लिल् आलमीन । यानी और हमने तुझे दुनिया के लिए सिर्फ़ रहमत बना कर भेजा है ।

प्रश्न 21. क़ुर्आन करीम की उन सुरतों के नाम बताएँ जो अम्बिया के नाम पर हैं ?

उत्तर:- सूरः यूनुस, सूरः हूद, सूरः यूसुफ, सूरः इब्राहीम, सूरः मोहम्मद सूरः नूह ।

प्रश्न 22. क़ुर्आन करीम में चन्द तशरिई (शरिय्यत लाने वाले) अम्बिया के

नाम का ज़िकर है, बयान करें ।

उत्तर:- हज़रत नूह अलैहिस्सलाम, हज़रत मूसा अलैहिंस्सलाम और हज़रत मोहम्मद सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम ।

प्रश्न 23. क़ुर्आन करीम में जिन ग़ैर तशरिई अम्बिया का नाम आया है बताएँ ।

उत्तर:- हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम, हज़रत लूत अलैहिस्सलाम, हज़रत इस्माईल अलैहिस्सलाम, हज़रत इस्हाक अलैहिस्सलाम, हज़रत याकूब अलैहिस्सलाम, हज़रत यूसुफ अलैहिस्सलाम, हज़रत हूद अलैहिस्सलाम, हज़रत सालेह अलैहिस्सलाम, हज़रत शुअैब अलैहिस्सलाम, हज़रत हारून अलैहिस्सलाम, हज़रत दाऊद अलैहिस्सलाम, हज़रत सुलेमान अलैहिस्सलाम, हज़रत इलियास अलैहिस्सलाम, हज़रत यूनुस अलैहिस्सलाम, हज़रत ज़ुल्किफ़ल अलैहिस्सलाम, हज़रत यसआ अलैहिस्सलाम, हज़रत इदरीस अलैहिस्सलाम, हज़रत अय्यूब अलैहिस्सलाम, हज़रत ज़करिया अलैहिस्सलाम, हज़रत याहया अलैहिस्सलाम, हज़रत ईसा अलैहिस्सलाम ।

प्रश्न 24. क़ुर्आन करीम में किस सहाबी का नाम आया है ? सूरः का नाम भी बताएँ ।

उत्तर:- हज़रत ज़ैद रज़िअल्लाहो अन्हो का सूराः अहज़ाब, आयत 38 में ।

प्रश्न 25. फैज़ाने खतमें नबुव्वत, वफ़ाते मसीह और सदाकते मसीहे मौऊद अलैहिस्सलाम के सबूत में क़ुर्आन मजीद की एक-एक आयत बताएँ ।

उत्तर:- وَمَنْ يُّطِعِ اللّٰهَ وَالرَّسُوْلَ فَاُولٰٓئِكَ مَعَ الَّذِيْنَ اَنْعَمَ اللّٰهُ عَلَيْهِمْ مِّنَ النَّبِيّٖنَ وَالصِّدِّيْقِيْنَ وَالشُّهَدَآءِ وَالصّٰلِحِيْنَ ۚ وَحَسُنَ اُولٰٓئِكَ رَفِيْقًا ۝ (نساء:۷۰)

फैज़ाने खतमें नबुव्वतः- व मंयोतीइल्लाहा वररसूला फ़ उलाएका मा अल् लज़ीना अन् आमल्लाहो आलैहिम मिनन नबिय्यीना

वस्सीद्दीकीना व शुहदाए व स्सालेहीना व हसोना उलाएका रफ़ीका। (निसा-70) यानी और जो (लोग भी) अल्लाह और उस रसूल सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम की इताअत करेंगे वह उन लोगों में शामिल होंगे जिन पर अल्लाह ने इनआम किया है । अर्थात् नबयों, सिद्दीकों, शहीदों और नेक लोगों (में) और ये लोग (बहुत ही) अच्छे साथी हैं ।

وَكُنْتُ عَلَيْهِمْ شَهِيْدًا مَّادُمْتُ فِيْهِمْ ۚ فَلَمَّا تَوَفَّيْتَنِيْ كُنْتَ اَنْتَ الرَّقِيْبَ عَلَيْهِمْ ؕ (مائدہ:118)

वफ़ाते मसीहः- व कुन्तो अलैहिम शहीदम् मा दुम्तो फ़ीहिम फ़लम्मा तवफ़्फ़ैतनी कुन्ता अन्ता रकीबा अलैहिम । (माइदा-118) अर्थ : जब तक मैं उनमें (मौजूद) रहा मैं उनका निगरान रहा मगर जब तूने मुझे वफ़ात दे दी तो तूही उन पर निगरान था (मैं ना था) ।

सदाकते (सच्चाई) मसीहे मौऊदः-

فَقَدْ لَبِثْتُ فِيْكُمْ عُمُرًا مِّنْ قَبْلِهٖ ؕ اَفَلَا تَعْقِلُوْنَ ۝

फ़कद लबिस्तो फ़ीकुम ओमोरम् मिन कबलेही अफ़ाला ताकेलून । (यूनुस-18) अर्थः- इससे पहले मैं एक लम्बा समय तुम में गुज़ार चुका हूँ क्या फिर भी तुम अकल से काम नहीं लेते ।

प्रश्न 26. लैलतुल कदर से क्या अभिप्राय है ?

उत्तरः- वह मुबारक रात जिसमें कुर्आन करीम नाज़िल होना (उतरना) शुरू हुआ और जिसकी फज़ीलत में अल्लाह तआला ने फ़रमाया-

لَيْلَةُ الْقَدْرِ ۙ خَيْرٌ مِّنْ اَلْفِ شَهْرٍ ؕ ۝ (سورۃ القدر:4)

लैलतुल कदरे ख़ैरुम् मिन् अलफ़े शहर (सूराः अलकदर-4) अर्थः लैलतुल कदर हज़ार महीनों से बहतर है । आँ हज़रत सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम ने रमज़ान के आखरी दस ताक (विषम) रातों में उसे तलाश करने का इरशाद फ़रमाया है । इस रात खुदा तआला
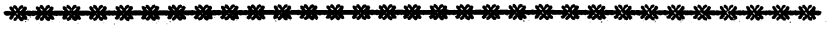
अपने बन्दों से बहुत करीब आ जाता है । और उनकी दुआओं को सुनता है । हज़रत मसीहे मौऊद अलैहिस्सलाम के नज़दीक जिस अंधेरे ज़माना में कोई मामूर मिनल्लाह (अल्लाह की ओर से भेजा गया) आया उस ज़माना को भी लैलतुल कदर कहते हैं ।

प्रश्न 27. क़ुर्आन करीम कितने समय में नाज़िल हुआ ?

उत्तरः- करीबन 23 साल में ।

प्रश्न 28. उन फलों के नाम बताएँ जो क़ुर्आन करीम में बयान हुए हैं ?

उत्तरः- रुम्मान (अनार), इनबुन् (अंगूर), अत्तीन (इन्जीर), तलउन् (केला), जैतुन् (जैतून), नख़लुन (खजूर) ।

प्रश्न 29. क़ुर्आन करीम में किन चौपायों (जानवरों) के नाम आए हैं ?

उत्तरः- अल्जमलो (ऊँट), ग़नमुन (बकरीयां), अज़्ज़ानु (भेड़), बकरतुन (गाय), अलकलबो (कुत्ता), अलखिन्ज़ीरो (सुवर), अल्ख़ैलो (घोड़ा), अलबिग़ालो (ख़चर), अलहिमारो (गधा), अलफ़ीलो (हाथी), कसवरतुन (शेर), अलकिरदतुन् (बन्दर), अज़्ज़ेबो (भेड़िया), अन्नअजतू (भेड़) इजलुन (बछड़ा) ।

प्रश्न 30. क़ुर्आन करीम में बयान हलाक होने वाली कौमों में से कुछ के नाम बताएँ ।

उत्तरः- नुह की कौम (आरमिनिया के इलाका में रहती थी), आद की कौम (हज़रत हुद की कौम) समुद की कौम (हज़रत सालेह की कौम), असहाबे रस (समुद की कौम का एक हिस्सा थे) अस्हाबुल् ऐका (हज़रत शोएब की कौम), कौमे लूत (हज़रत लुत की कौम), कौमे फ़िरऔन (हज़रत मूसा और बनी इस्राईल पर जुल्म ढाने वाली कौम) अस्हाबुल फ़ील (यमन के लोग जो अब्राहा की सरदारी में ख़ाना काबा पर हमला करने आए थे) ।

प्रश्न 31. क़ुर्आन करीम के किसी पहले मुफ़स्सिर (भाष्यकार) का नाम बताएँ ।

उत्तरः- अल्लामा फ़ख़रुद्दीन राज़ा रहमतुल्लाह अलैह लेखक तफसिरे कबीर ।

खतमुल मुरसलीन् हज़रत मुहम्मद सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम

प्रश्न 1. रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम कब और कहाँ पैदा हुए ?

उत्तर:- 12 रबीउल अव्वल बमुताबिक 24 अप्रैल 571 ई. को जज़ीरा नुमा अरब के शहर मक्का में पैदा हुए ।

प्रश्न 2. आपकी कुनियत और लकब क्या था ?

उत्तर:- आप का नाम "मुहम्मद"(स) और कुनियत अबुलकासिम और लकब "अमीन" व "सदूक" था । (सदूक का अर्थ है बहुत ज़्यादा सच बोलने वाला) ।

प्रश्न 3. आप के दादा, पिता और माता जी के नाम क्या हैं ?

उत्तर:- दादा का नाम हज़रत अब्दुल मुत्तलिब, पिता का नाम हज़रत अबदुल्लाह और माता का नाम हज़रत आमिना बिन्ते वहब हैं ।

प्रश्न 4. आप के पिता जी और माता जी ने कब वफ़ात पाई ?

उत्तर:- आप (मोहम्मद सलम) के पिता जी हज़रत अब्दुल्लाह तो आपकी पैदाईश से चन्द मास पहले वफ़ात पा गए और माता जी की वफ़ात उस वक्त हुई जबकि आप की उमर छे बरस थी ।

प्रश्न 5. आप की मुरज़िआ (अर्थात् दुध पिलाने वाली दाई) का नाम क्या था ?

उत्तर:- हज़रत हलीमा सादीया (रज़ीअल्लाहो अन्हा) ।

प्रश्न 6. हज़ुर सल्लम की पहली शादी किस उमर में और किसके साथ हुई ?

उत्तर:- पच्चीस साल की उमर में हज़रत ख़दीजा (रज़ीअल्लाह अन्हा) से जब कि हज़रत ख़दीजा की उमर 40 साल थी ।

प्रश्न 7. हुज़ूर सल्लम की अज़वाजे मोतह्हेरात (धर्मपत्नियों) के नाम बताएँ ?

उत्तर:- (1) हज़रत ख़दीजतुल् कुबरा (र.अ) । (2) हज़रत सौदा (र.अ) स्पुत्री ज़म्आ । (3) हज़रत आएशा सिद्दिका (र.अ) स्पुत्री
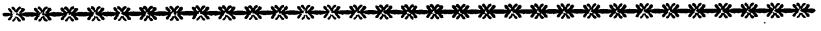
हज़रत अबुबकर (र.अ)। (4) हज़रत हफ़सा (र.अ) स्पुत्री हज़रत उमर (र.अ)। (5) हज़रत ज़ैनब (र.अ) स्पुत्री ख़ज़ैमा (6) हज़रत उम्मे सलमा हिन्द (र.अ) स्पुत्री उमय्या (7) हज़रत ज़ैनब (र.अ) स्पुत्री जहश (8) हज़रत जुवैरिया (र.अ) स्पुत्री हारिस (9) हज़रत सफया (र.अ) स्पुत्री हयी बिन् अख़तब (10) हज़रत उम्मे हबीबा (र.अ) स्पुत्री अबु सुफ़ियान (11) उम्मे इब्राहीम हज़रत मारिया क़िबतिया (र.अ) (12) हज़रत मैमुना (र.अ) स्पुत्री हारस ।

नोटः- (1) हुज़ूर सल्लम की एक वक्त में नौ से ज़ाएद पत्नियां नहीं रही ।

(2) चार से ज़ाएद बिवियों (पत्नियों) की इजाज़त केवल आँ हुज़ुर सल्लम ही के लिए थी जिसका ज़िकर सूराः एहज़ाब् आयत 51 में किया गया है ।

प्रश्न 8. आँ हज़रत सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम की साहिबज़ादियों के नाम बताएं ।

उत्तरः- (1) हज़रत ज़ैनब रज़ियल्लाहो अन्हा पत्नि अबुल आस बिन रबी । (2) हज़रत रुक्किया (र.अ) और (3) हज़रत उम्मे कुलसुम (र.अ), इनके निकाह अबू लहब के दो बेटों उतबा और उतैबा से हुए । मगर रुख़्सताना से पहले ही निकाह फिसख़ (टूट) हो गए । फिर हज़रत रुक्किया रज़ियल्लाहो अन्हा और हज़रत उम्मे कुलसूम रज़ियल्लाहो अन्हा एक के बाद एक हज़रत उस्मान (र.अ) पुत्र अफ़ान के निकाह में आईं । (4) हज़रत फातिमातुज़्ज़ुहरा रज़ियल्लाहो अन्हा पत्नी हज़रत अली बिन अबीतालिब रज़ियल्लाहो अन्हो ।

प्रश्न 9. आप के साहिब ज़ादों के नाम क्या हैं ?

उत्तरः- (1) हज़रत कासिम रज़ियल्लाहो अन्हो (2) हज़रत ताहिर रज़ियल्लाहो अन्हो (3) हज़रत तैय्यब रज़ियल्लाहो अन्हो इनका दूसरा नाम अब्दुल्लाह था (4) हज़रत इब्राहीम रज़ियल्लाहो अन्हो

(सीरत खातामुन नबिय्यीन जिल्द एक सफा 139)

प्रश्न 10. आँ हज़रत सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम ने कितनी उम्र में नबुव्वत का दावा किया ?

उत्तर:- 40 बरस की उम्र में ।

प्रश्न 11. आप पर पहली वही (आकाशवाणी) कहां उतरी ? इसका हाल बयान करें ।

उत्तर:- आप पर सबसे पहली वही ग़ारे हिरा में नाज़िल हुई । हज़रत जिबराईल अलैहिस्सलाम ने आप से मुख़ातिब हो कर कहा "इकरा" अर्थात् पढ़ आप ने फ़र्माया : "मा अना बेकारेइन" कि मैं तो पढ़ नहीं सकता । फरिश्ते ने आप को सीने से लगा कर भींचा और कहा "इकरा" (पढ़) । मगर आप का जवाब वही था । फिर उस ने दूसरी दफा अपने अमल को दोहराया और कहा "इक्रा" । मगर आप ने पहला ही जवाब दिया । इस इन्कार का एक कारण तो ये था कि आप पढ़ना ना जानते थे । दूसरे आप के दिल में ख़ौफ़ पैदा हुआ कि इतनी अज़ीम ज़िम्मेदारी कैसे निभा सकूँगा । आखिर तीसरी बार फरिश्ते ने आपको सीने से लगाकर बहुत ज़ोर से भींचा और कहा

اِقْرَاْ بِاسْمِ رَبِّكَ الَّذِيْ خَلَقَ ۝

"इकरा बे इस्मे रब्बेकल्लज़ी खलक" । इस बार आप अपने रब का नाम सुनकर इस पैग़ाम के पहुँचाने के लिए तय्यार हो गए ।

प्रश्न 12. आप की पहली वही पर हज़रत ख़दीजा की क्या प्रतिक्रिया थी ?

उत्तर:- जब हुज़ूर सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम हिरा की गुफ़ा से लौटे तो आपने घबराहट में हज़रत ख़दीजा रज़ियल्लाहो अन्हा को सारा वाकिया सुनाया और फ़र्माया कि मुझे तो अपने बारे में डर पैदा हो गया है । मगर हज़रत ख़दीजा ने आपकी तसदीक करते हुए कहा :-

كَلَّا وَاللّٰهِ مَا يُخْزِيْكَ اللّٰهُ اَبَدًا اِنَّكَ لَتَصِلُ الرَّحْمَ وَ

تَحْمِلُ الْكَلَّ وَ تَكْسِبُ الْمَعْدُوْمَ وَ تَقْرِی الضَّيْفَ وَ
تُعِيْنُ عَلٰى نَوَائِبِ الْحَقِّ

कल्ला वल्लाहे मा युखजीकल्लाहो अबादन इन्नाका लतसे-लुररेहमा व तहमेलुलकल्ला व तकसेबुलमा दूमा व तक़रिज़्ज़ैयफा व तुईनो अला नवा ए बिल हक्के (सहीह बुखारी बाब बदा उल वही) अर्थ : नहीं नहीं ऐसा हरगिज़ नहीं हो सकता । खुदा की कसम अल्लाह आपको कभी ज़लील नहीं करेगा । आप रिश्तों को जोड़ते हैं और लोगों के बोझ बांटते हैं और मादूम अख्लाक वह अखलाक जो गुम हो चुके हैं अपने अन्दर जमा किए हुए हैं । आप मेहमान नवाज़ी करते हैं और तमाम बातों में सच्चाई का साथ देते हैं ।

प्रश्न 13. मर्दों, औरतों, बच्चों, गुलामों, बादशाहों, ईसाईयों, ईरानियों, और रुमियों में से सबसे पहले कौन-कौन आप पर ईमान लाए ।

उत्तरः- मर्दों में से हज़रत अबुबकर रज़ियल्लाहो अन्हो, औरतों में से हज़रत खदीजातुल कुबरा रज़ियल्लाहो अन्हा, बच्चों में से हज़रत अली रज़ियल्लाहो अन्हो, गुलामों में से हज़रत ज़ैद बिन हारिसा बादशाहों में से अस्महा नज्जाशी शाहे हबशा ईरानियों में से हज़रत सलमान फ़ारसी, रूमियों में से हज़रत सुहैब रुमी रज़ियल्लाहो अन्हो सबसे पहले मुसलमान हुए ।

प्रश्न 14. आँ हज़रत सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम ने जिन बादशाहों के नाम तबलीगी खुतूत लिखे, उनमें से कुछ का नाम लिखें ।

उत्तरः- (1) हिरकल- कैसरे रोम (2) खुसरो परवेज़-किसरा ईरान (3) अस्माहा नज्जाशी हबशा का राजा (4) मुकोकस - मिस्र का राजा (5) हारिस बिन अबी समर - सरदार ग़स्सान (6) हुदा बिन अली - यमामा का सरदार (7) मुनजर तैमी - बहरैन का सरदार ।

प्रश्न 15. आँ हज़रत सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम का कोई शेयर लिखें ।

उत्तरः- اَنَا النَّبِيُّ لَا كَذِبْ اَنَا ابْنُ عَبْدِ الْمُطَّلِبْ

अनन नबिय्यो ला कजिब आनबनो अब्दुल मुतालिब ।

अर्थात् मैं झूठा नबी नहीं हूँ । मैं अब्दुल मुतलिब का बेटा हूँ ।

प्रश्न 16. आँ हज़रत सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम की वफ़ात कब और किस उम्र में हुई । आप का रौज़ा मुबारक कहाँ है ?

उत्तर:- आप 26 मई 632 ई. बमुताबिक प्रथम रबीउल अव्वल 11 हिजरी को 63 साल की उम्र में रफीके आला (अल्लाह तआला) से जा मिले । आप मदीना मुनव्वरा में हज़रत आयशा के हुजरा (कमरा) मुबारक में दफ़न हैं ।

प्रश्न 17. आँ हज़रत सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम ने दावा नबूव्वत के बाद कितनी उम्र पाई ?

उत्तर:- करीबन 23 साल ।

प्रश्न 18. आप की वफ़ात पर हज़रत हस्सान बिन साबित ने जो शेयर कहे थे, लिखें ।

उत्तर:-

كُنْتَ السَّوَادَ لِنَاظِرِيْ
فَعَمِيَ عَلَيْكَ النَّاظِرُ
مَنْ شَاءَ بَعْدَكَ فَلْيَمُتْ
فَعَلَيْكَ كُنْتُ اُحَاذِرُ

कुनतस्सवादा लेनाजेरी फआमेया अलैकन्नाज़िरू
मन शाअ बअदका फ़लंयमुत फ़अलैका कुनतु ऊहाज़िरू

अर्थ:- कि ऐ मेरे हबीब सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम आप तो मेरी आंख की पुतली थे । पस आप की वफ़ात से मेरी आँख अन्धी हो गई । आप के बाद जो चाहे मरे । मुझे तो आपकी मौत का ही डर था ।
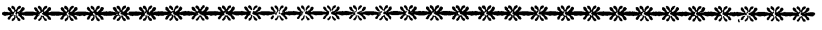
नबी करीम सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम की हदीसें

प्रश्न 1. हदीस किसे कहते हैं ?

उत्तर:- हदीस उन लफ़्जी कथनों का नाम है जो आँ हज़रत सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम की बातों व कामों और हालात के बारे में ब्यान की गईं ।

प्रश्न 2. सिहासित्ता के विषय में मुखतसर ब्यान करें ।

उत्तर:- हदीसों की सेहत के इतबार से मुहद्देसीन (हदीस लिखने वालों) ने हदीस की निम्नलिखित छः किताबों को हदीस की और किताबों से ज़्यादा प्रमाणित करार दिया है इन छः किताबों को सिहासित्ता (अर्थात् छः सही किताबें) कहते हैं । इनका दर्जा नीचे दी तरतीब के अनूसार समझा जाता है :-

(1) सही बुखारी मुरत्तबा हज़रत इमाम मोहम्मद बिन इस्माईल बुखारी (194 हिजरी से 256 हिजरी)

(2) सही मुस्लिम मुरत्तबा हज़रत इमाम मुस्लिम बिन हजाज (209 हिजरी से 261 हिजरी)

(3) जामे तिरमिज़ी मुरत्तबा हज़रत इमाम अबू ईसा मोहम्मद बिन ईसा तिरमिज़ी (204 हिजरी से 279 हिजरी)

(4) सुनन अबू दाऊद मुरत्तबा हज़रत इमाम अबू दाऊद सुलेमान बिन अशअस (202 हिजरी से 275 हिजरी)

(5) सुनन निसाई मुरत्तबा हज़रत इमाम हाफ़िज़ अहमद बिन शोऐब अननिसाई (215 हिजरी से 306 हिजरी)

(6) सुनन इबने माजा मुरत्तबा हज़रत इमाम अबू अब्दुल्लाह मोहम्मद बिन यज़ीद इब्ने माजा कज़वैनी (209 हिजरी से 275 हिजरी)

प्रश्न 3. किस सहाबी और किस साहाबिया रज़ियल्लाहो अन्हुम से सबसे ज़्यादा हदीसें ब्यान हैं ?

उत्तर:- हज़रत अबू हुरैरा रज़ियल्लाहो अन्हो और हज़रत आईशा

रज़ियल्लाहो अन्हा से ।

प्रश्न 4. हुजूर सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम की कोई ऐसी हदीस बतायें जिसमें उम्मते मोहम्मदिय्या में हर सदी में मुजद्दीद आने की पेशगोई (भविष्यवाणी) हो ?

उत्तरः- إِنَّ اللّٰهَ يَبْعَثُ لِهٰذِهِ الْأُمَّةِ عَلٰى رَأْسِ كُلِّ مِائَةِ سَنَةٍ مَّنْ يُّجَدِّدُ لَهَا دِيْنَهَا (سنن ابوداؤد جلد 2

इन्नल्लाहा यब्बअसो लेहाज़ेहिल उम्मते अला रासे कुल्ले मेआते सनतिन मयौजद्देदो लाह दीनहा । (सुनन अबू दाऊद प्रति दो किताबुल मलाहिम पृष्ठ 241 मुजतबाई प्रैस देहली)

अर्थः- अल्लाह तआला हर सदी के सर पर इस उम्मत में ऐसे शख्स को भेजेगा जो उसके दीन को फिर से ज़िन्दा करेगा ।

प्रश्न 5. कोई ऐसी हदीस बतायें जो आइन्दा नबी के आने पर दलील हो ?

उत्तरः- لَوْ عَاشَ لَكَانَ صِدِّيْقًا نَّبِيًّا (ابن ماجه جلد نمبر1 کتاب الجنائز)

लौ आशा लकाना सिद्दीक़न नबिय्या (इब्ने माजा प्रति न. 1 किताबुल जनायज़)

अर्थः- के अगर वो (यानि हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम रसूल सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम के बेटे) ज़िन्दा रहते तो ज़रूर सिद्दीक नबी होते ।

प्रश्न 6. आँ हज़रत सल्लल्लाहो अलैहि वस्लम ने हज़रत ईसा अलैहिस्सलाम की कितनी उम्र ब्यान फ़रमाई है ?

उत्तरः- إِنَّ عِيْسَى بْنَ مَرْيَمَ عَاشَ عِشْرِيْنَ وَمِائَةَ سَنَةً

इन्ना ईसबना मर्यमा आशा इशरीना व मेआता सनतिन (कन्ज़ुलउमाल प्रति दो सफा 160)

अर्थः- यकीनन हज़रत ईसा इब्ने मर्यम 120 साल ज़िन्दा रहे ।

प्रश्न 7. हदीस में मसीह मूसवी और मसीह मोहम्मदी के जो हुलिये ब्यान हुए हैं बतायें ।

उत्तर:- मसीह मूसवी का रंग सुरख, बाल घुंघराले और सीना चौड़ा जबकी मसीह मोहम्मद का रंग गन्दमी और खूबसूरत और सर के बाल सीधे और लम्बे । (हवाला सही बुखारी प्रति दो किताब बदउल खलक सफा 165 मिसरी)

प्रश्न 8. वो हदीस लिखिये जिसमें मसीह और मेहदी को एक वजूद करार दिया गया है ?

उत्तर:- لَا الْمَهْدِيُّ اِلَّا عِيْسٰى

(ابن ماجہ کتاب الفتن باب شدة الزمان)

लल मैहदी इल्लाईसा (इब्ने माजा किताबुल फितन अध्याय शिद्दतुज़्ज़मान)

अर्थ:- मैहदी और ईसा एक ही वजूद हैं ।

प्रश्न 9. वह हदीस ब्यान करें जिसमें आँ हज़रत सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम ने मैहदी को सलाम पहुँचाने की ताकीद फ़रमाई है ?

उत्तर:- اَلَا مَنْ اَدْرَكَهٗ فَلْيَقْرَأْ عَلَيْهِ السَّلَامُ

अलामन अदराकाहू फ़ल युक्रा अलैहिस्सलाम (तिबरानी अलओसत वस्सग़ीर)

अर्थ:- याद रखो कि जो भी मसीह मौऊद से मुलाकात का शरफ़ हासिल करे वो मेरा सलाम उन्हें ज़रूर पहुँचा दे ।

प्रश्न 10. वह कौन सी हदीस है जिसमें मसीह मौऊद को फ़ारसी उल असल करार दिया गया है ?

उत्तर:- आँ हज़रत सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम ने हज़रत सलमान फ़ारसी रज़ियल्लाहो अन्हो के कन्धे पर हाथ रख कर फरमाया :-

لَوْ كَانَ الْاِيْمَانُ مُعَلَّقًا بِالثُّرَيَّا لَنَالَهٗ رَجُلٌ مِّنْ هٰٓؤُلَاءِ

(بخاری جلد ۳ کتاب التفسیر)

लौकानल ईमानो मुअल्लाकम बिस्सोरय्या लना लहू रजोलुम मिन हा ओलाए । (बुखारी प्रति 3 किताबु तफ़सीर)

अर्थ:- कि अगर ईमान सुरय्या सितारे के पास भी होगा तो इन
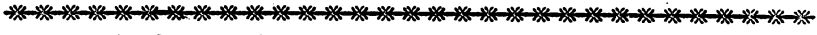
फ़ारिस वालों में से एक व्यक्ति उसे पालेगा ।

प्रश्न 11. हदीस में मसीह मौऊद के किन कामों का ज़िकर किया गया है ?

उत्तर:- कसरे सलीब (सलीब का तोड़ना) कत्ले खंज़ीर (सुअर ख़सलत लोगों का रूहानी कत्ल) कत्ले दज्जाल, गलबा इस्लाम, इस्लाम की रूहानी विजय, अहयाऐ दीने इस्लाम (इस्लाम का ज़िन्दा करना), कयामे शरीयत (शरीअत को कायम करना), तमाम अन्दुरूनी व बैरूनी इखतलाफ़ात के लिए हकम व अदल होना (इन्साफ़ करने वाला) खोया हुआ ईमान वापस दुनिया में लाना कसरत से (रूहानी) माल देना ।

प्रश्न 12. मस्जिद में दाखिल होने व बाहर निकलने कि दुआ बतायें ?

उत्तर:- मस्जिद में दाखिल होने कि दुआ

بِسْمِ اللّٰهِ الصَّلٰوةُ وَالسَّلَامُ عَلٰى رَسُوْلِ اللّٰهِ ۔ اَللّٰهُمَّ اغْفِرْلِيْ ذُنُوْبِيْ وَافْتَحْ لِيْ اَبْوَابَ رَحْمَتِكَ

बिस्मिल्लाहिस्सलातो व स्सलामो अला रसूलिल्लाहे अल्लाह हुम्मग़ फ़िरली ज़नूबी वफ़ तह ली अब वाबा रहमतेका ।

अर्थ:- मैं अल्लाह तआला का नाम लेकर मस्जिद में दाखिल होता हूँ । खुदा तआला के रसूल पर दरूद व सलाम हों । ऐ मेरे अल्लाह मेरे गुनाह बख्श दे और अपनी रहमत के दरवाज़े मुझ पर खोल दे। मस्जिद से बाहर निकलते हुए भी यही दुआ पढ़नी चाहिए सिर्फ़ "अब्वाबा रहमते का" की बजाय "अब्वाबा फज़लेका" पढ़ा जाए जिसके अर्थ हैं अपने फ़ज़ल के दरवाज़े ।

प्रश्न 13. फ़िक़ा के चार बुन्यादी स्रोत बताइये ?

उत्तर:- (1) क़ुर्आन मजीद (2) सुन्नत व हदीस (3) इजमा (4) क़यास।

प्रश्न 14. सुन्नत किसे कहते हैं ?

उत्तर:- आँ हज़रत सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम के काम करने के तरीकों को सुन्नत कहते हैं ।

सहाबा और बुज़र्गाने इस्लाम

प्रश्न 1. शेख़ैन (दो बुजुर्ग) से कौन मुराद हैं इनका आँ हज़रत सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम के क्या रिश्ता था ?

उत्तर:- हज़रत अबूबकर रज़ियल्लाहो अन्हो और हज़रत उमर रज़ियल्लाहो अन्हो को शेख़ैन कहते हैं । दोनों आँ हज़रत सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम के ससुर थे और हुज़ूर सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम की वफ़ात के बाद आपके खलीफ़ा भी हुए ।

प्रश्न 2. हज़रत अबू बकर रज़ियल्लाहो अन्हो का नाम क्या था ?

उत्तर:- हज़रत अब्दुल्लाह बिन अबी कुहाफ़ा ।

प्रश्न 3. अशरा मुबशरा कौन थे ?

उत्तर:- आँ हज़रत सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम के दस जांनिसार सहाबा जिनको आँ हज़रत सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम ने उनकी ज़िन्दगी में ही जन्नत की बशारत दे दी थी उनके नाम ये हैं । (1) हज़रत अबूबकर सिद्दीक (र.अ) (2) हज़रत उमर बिन खताब (र.अ) (3) हज़रत उस्मान बिन अफ़्फ़ान (र.अ) (4) हज़रत अली (र.अ) बिन अबी तालीब (5) हज़रत अबर्दुरहमान (र.अ) बिन औफ (6) हज़रत अबू ओबेदा (र.अ) बिन अल जराहा (7) हज़रत सईद (र.अ) बिन ज़ैद (8) हज़रत तलहा (र.अ) (9) हज़रत जुबैर (र.अ) बिन अल अवाम् (10) हज़रत साद (र.अ) बिन अबी वकास ।

प्रश्न 4. ज़ू नूरैन (दो नूरों के वाले) से मुराद कौन हैं और क्यों ?

उत्तर:- हज़रत उस्मान ग़नी (र.अ) क्योंकि आपके निकाह में एक के बाद एक आँहज़रत सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम की दो साहिबज़ादियाँ आईं ।

प्रश्न 5. किसी आज़ाद किए गए ग़ुलाम का नाम बतायें जिसे आँ हज़रत सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम ने इस्लामी फ़ौज का सिपाहसालार मुकर्रर फ़रमाया हो ?
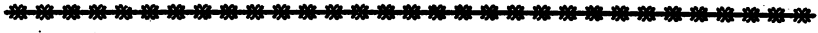
उत्तरः- हज़रत ज़ैद बिन हारीसा रज़ियल्लाहो अन्हो ।

प्रश्न 6. दरबारे नबवी सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम के मशहूर कवि का नाम लिखें । और उनका एक शेयर दर्ज करें ।

उत्तरः- हज़रत हस्सान बिन साहित आपका मोहब्बत भरा शेयर है:-

فَاِنَّ اَبِیْ وَ وَالِدَهٗ وَ عِرْضِیْ
لِعِرْضِ مُحَمَّدٍ مِّنْکُمْ وِقَاءٗ

फ़ाइन्न अबी व वालिदाहू वईरज़ी
लेईरज़े मोहम्मदिन मिनकुम विकाउन

अर्थः- ऐ रसूल के दुश्मनो यकीनन मेरा बाप और इसका पिता और मेरी इज़्ज़त व आबरू हज़रत मोहम्मद सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम की इज़्ज़त व आबरू के लिये तुम्हारे सामने ढाल हैं ।

प्रश्न 7. हज़रत आईशा रज़ियल्लाहो अन्हा ने खातामन्नबिय्यीन का क्य मफ़हूम ब्यान फ़रमाया है ?

उत्तरः- قُوْلُوْا اِنَّهٗ خَاتَمُ الْاَنْبِیَاءِ وَلَا تَقُوْلُوْا لَا نَبِیَّ بَعْدَهٗ

कूलू इन्नाहू खातामुल अम्बियाए वला तकूलू ला नबिय्या बादहू (दुर्रे मनसूर प्रति 5, पृष्ठ 204 प्रकाशित दारुल मारीफा बैरुत लबनान)

अर्थः- तुम ये तो कहो कि आँ हज़रत सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम खातमुल अम्बिया हैं लेकिन ये न कहो कि आप के बाद कोई नबी नहीं ।

प्रश्न 8. हज़रत उमर रज़ियल्लाहो अन्हो और हज़रत अली रज़ियल्लाहो अन्हो किनके हाथ शहीद हुऐ और कब ?

उत्तरः- हज़रत उमर रज़ियल्लाहो अन्हो ने एक ईरानी गुलाम अबुलूलू फ़िरोज के होथों 27 ज़िलहज 23 हिजरी को और हज़रत अली रज़ियल्लाहो अन्हो ने 21 रमज़ानुल मुबारक 40 हिजरी को

अब्दुर्रहमान बिन मुलजम खारजी के हाथों शहादत का जाम पिया।

प्रश्न 9. हज़रत उस्मान रज़ियल्लाहो अन्हो की शहादत की घटना मुख़्तसर ब्यान करें ।

उत्तर:- अब्दुल्लाह बिन सबा के साथियों ने मदीना को घेरे में ले लिया और हज़रत उस्मान रज़ियल्लाहो अन्हो पर हमला कर के आप को 18 ज़िल हज्जा 35 हिजरी मुताबिक 20 मई 656 ई. को शहीद कर दिया । आप उस वक्त अपने मकान में क़ुर्आन करीम की तिलावत फ़रमा रहे थे ।

प्रश्न 10. ताबेईन से क्या मुराद है ? दो मशहूर ताबेईन के नाम लिखें ।

उत्तर:- ताबेईन वह लोग हैं जो सहाबा रज़ियल्लाहो अन्हो की सोहबत से फ़ैज़ियाब हुए । हज़रत हसन बसरी रहमतुल्लाह अलैहे और हज़रत उवैस करनी रहमतुल्लाह अलैहे ।

प्रश्न 11. किसी मुसलमान शायरा (कवित्री) का नाम बताएं ?

उत्तर:- हज़रत खन्सा रज़ियल्लाहो अन्हा ।

प्रश्न 12. किसी मुसलमान सूफिया (सूफी औरत) का नाम बताएं ?

उत्तर:- हज़रत राबेआ बसरी ।

प्रश्न 13. फ़िका के आईम्मा अरबा (चार इमामों) के नाम बताएं ?

उत्तर:- (1) हज़रत इमाम अबू हनीफ़ा रहमतुल्लाह (80 हिजरी ता 150 हिजरी) (2) हज़रत इमाम शाफ़ई (105 हिजरी ता 204 हिजरी) (3) हज़रत इमाम मालिक (95 हिजरी ता 179 हिजरी) (4) हज़रत ईमाम अहमद बिन हम्बल (164 हिजरी ता 241 हिजरी)

प्रश्न 14. उमत्ते मुहम्मदिय्या के हर सदी के मुजद्देदीन के नाम तरतीब से बताएं ।

उत्तर:- (1) हज़रत उमर (रह) बिन अब्दुल अज़ीज़ । (2) हज़रत इमाम शाफ़ई (रह) या कुछ के नज़दीक हज़रत इमाम अहमद बिन हम्बल (रह) । (3) हज़रत अबू शरह र.ह. व अबुल हसन अशअ़री र.ह. । (4) हज़रत अबू अब्दुल्लाह नीशापुरी र.ह.
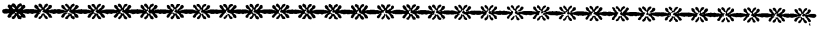
हज़रत काज़ी अबूबकर बाकलानी र.ह. । (5) हज़रत ईमाम ग़ज़ाली र.ह. । (6) हज़रत सय्यद अब्दुल कादर जीलानी र.ह. । (7) हज़रत इमाम इब्ने तैमिया र.ह. व हज़रत ख़्वाजा मौइनुद्दीन चिश्ती अजमेरी र.ह. । (8) हज़रत हाफिज़ इब्ने हजर अस्कलानी र.ह. व हज़रत सालेह बिन उमर र.ह. । (9) हज़रत अल्लामा जलालुद्दीन सय्यूती र.ह. । (10) हज़रत ईमाम मुहम्मद ताहिर गुजराती र.ह. । (11) हज़रत मुजद्दद अल्फे सानी अहमद सरहिंदी र.ह. । (12) हज़रत शाह वलीउल्लाह मुहद्दिस देहलवी र.ह. । (13) हज़रत सैय्यद अहमद शहीद बरेलवी र.ह. । (हुजजुल किरामा सफा 127-129) (14) हज़रत मिर्ज़ा ग़ुलाम अहमद कादियानी मसीह मौऊद व महदी मसऊद अलैहिस्सलाम ।

प्रश्न 15. हज़रत नैमतुल्लाह वली का मुख़तसर परिचय कराईये ।

उत्तर:- हज़रत नैमतुल्लाह वली देहली के समीप एक निहायत बाकमाल और साहिबे कश्फ व करामात बुज़ुर्ग गुजरे हैं । आप के बुलन्द पाया रूहानी कमालात की रूहानी यादगार ज़ुहुरे इमाम महदी के विषय में एक कसीदा है जो सदियों से परिचित है ।

प्रश्न 16. हज़रत शाह नैमतुल्लाह वली के दो अश्आर सदाकत हज़रत मसीह मौऊद की सच्चाई में लिखें ।

उत्तर:- अलिफ, हे, मीम, दाल मि ख़्वानिम
नामे आँ नामदार मि बिनम
दौरे ऊ चुं शवद तमाम बकाम
पिस रश यादगार मि बीनम

अर्थ:- कश्फी तौर पर मुझे मालूम हुआ है कि नाम उस इमाम का अहमद होगा जब इस का ज़माना कामयाबी के साथ गुज़र जायेगा तो मसील(उस जैसा)उसका लड़का यादगार रह जाएगा ।

प्रश्न 17. किसी मशहूर मुसलमान डाक्टर साईंसदान और फ़लासफ़र का नाम बताइए ?

उत्तर:- बू अली सीना (डाक्टर) जाबर इब्ने हय्यान (साईंसदान) इब्ने रशद

(फलासफर) ।

प्रश्न 18. इब्ने हश्शाम और इब्ने खुलदून कौन थे ?

उत्तर:- इब्ने हश्शाम मशहूर इतिहासकार हैं । इनकी किताब "सीरते नबविया ले इब्ने हश्शाम" तारीखे इस्लाम और हुज़ुर सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम की सीरत पर प्रमाणित तसनीफ़ है ।
इब्ने खुलदून मारूफ इतिहासकार और .फ़लासफ़र हैं । "तारीख इब्ने खुलदून" व " मुकद्दमा इब्ने खुलदून" इनकी मशहूर पुस्तकें हैं ।

इस्लामी इतिहास

प्रश्न 1. इस्लाम का उदय किस सन्ने ई. में हुआ ?

उत्तर:- 610 ई. में ।

प्रश्न 2. हिजरत हब्शा के विषय में आप क्या जानते हैं ?

उत्तर:- जब मक्का वालों के अत्याचार अपनी चरमसीमा को पहूँच गए तो रसूले करीम सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम के इरशाद की तामील में पाँच नबवी में कुछ मुसलमान मर्द, औरतें और बच्चे हब्शा (इथोपिया) की तरफ हिजरत करके चले गए । मक्का वालों ने हब्शा के राजा नजाशी को कई बार उनके ख़िलाफ उकसाने की कोशिश की लेकिन नाकाम रहे और बादशाह का मुसलमानों के साथ सलूक बराबर इंसाफ़ वाला रहा । हब्शा के राजा बाद में खुद भी ईमान ले आए । आप पहले मुसलमान बादशाह थे ।

प्रश्न 3. शक्कुल क़मर का मोजज़ा (करिश्मा) क्या था ?

उत्तर:- कुछ कुफ़्फ़ारे मक्का ने आँ हज़रत सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम से कोई मोजज़ा तलब किया और आप ने इन्हें चाँद के दो टुकड़े हो जाने का मोजज़ा दिखाया । इस घटना का ज़िकर क़ुर्आन करीम में सूरह कमर की आयत 2 ता 7 में है ।

प्रश्न 4. आमुल हुज़न (ग़म का साल) से क्या अभिप्राय है ?
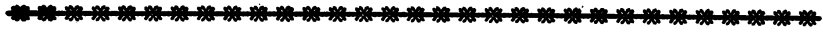
उत्तरः- आँ हज़रत सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम जब शेबे अबी तालिब से निकले तो आप को एक के बाद एक भारी सदमें पहुँचे अर्थात् हज़रत ख़दीजा रज़ियल्लाहो अन्हा और हज़रत अबू तालिब रज़ियल्लाहो अन्हो एक के बाद एक फौत हो गए । इस वजह से इस साल यानि दस नब्वी का नाम आमुल हुज़्न अर्थात ग़मों का साल रखा ।

प्रश्न 5. मैराज और इसरा में क्या फर्क है ?

उत्तरः- मैराज उस रूहानी सफर का नाम है जिसमेंआँ हज़ूर सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम को आसमानों की सैर करवाई गई । इसका ज़िकर सूराः नज़्म में है ।

इसरा एक दूसरा रूहानी सफ़र है जो आप को मक्का से बैतुल मुकद्दस तक कराया गया । इसका ज़िकर सूराः बनी इस्राईल में है ।

प्रश्न 6. हिजरत मदीना के विषय में आप क्या जानते हैं ?

उत्तरः- हुज़ूर सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम ने रबी उल अव्वल चौदह नब्वी में अल्लाह तआला के हुक्म से मदीना की तरफ़ हिजरत फर्माई । हज़रत अबू बकर सिद्दीक रज़ियल्लाहो अन्हो आप के रफीके सफर थे । मक्का से तीन मील दूर एक बंजर और वीरान पहाड़ के ऊपर गारे सौर में पनाह ली । कुफारे मक्का सुराग लगातेहुए गुफ़ा के मुँह पर जा पहुँचे । यहाँ तक कि इनके पाँव ग़ुफ़ा के अन्दर से नज़र आने लगे लेकिन तकदीरे इलाही के तहत वे गुफ़ा में दाखिल न हुए । हज़रत अबूबकर को आँ हज़रत सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम के पकड़े जाने का फिकर हुआ तो अल्लाह तआला ने आँ हज़रत सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम की ज़ुबान से कहलवाया

لَا تَحْزَنْ اِنَّ اللّٰهَ مَعَنَا

"ला तहज़न इन्नल्लाहा माअना" अर्थात हरगिज़ कोई फिकर ना करो अल्लाह हमारे साथ है ।

प्रश्न ७. हिजरत मदीना के दौरान किस शख़्स ने हुज़ूर का पीछा किया ?

इसके बारे में क्या पेशगोई थी और वो कब पूरी हुई ?

उत्तर:- गुफ़ा सौर से निकल कर आँ हज़रत सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम और हज़रत अबूबकर रज़ियल्लाहो अन्हो जब मदीना की तरफ़ रवाना हुए तो बहुत बड़े इनाम की लालच में सुराका बिन मालिक पीछा करता हुआ आपके करीब आ पहुँचा । हुज़ूर सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम ने उसे देख कर फ़र्माया :-

"सुराका ! उस वक्त तेरा क्या हाल होगा जब तेरे हाथों में किसरा (ईरान का राजा) के कंगन होंगे" ये पेशगोई हज़रत उमर रज़ियल्लाहो अन्हो की खिलाफ़त के ज़माने में पूरी हुई ।

प्रश्न 8. हिजरत के बाद आँहज़रत सल्ललहो अलैहि वसल्लम ने सबसे पहली मस्जिद कौन सी बनाई ?

उत्तर:- मस्जिद कुबा (कुबा मदीना से दो ढाई मील के फ़ासला पर एक स्थान था जिसमें कुछ अन्सार खानदान आबाद थे, वहाँ आप दस-बारह रोज़ ठहरे फिर मदीना में दाखिल हुए) ।

प्रश्न 9. मदीना में आँ हज़ूर सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम की तशरीफ आवरी के वक्त बच्चियाँ जो गीत गा रही थीं, वो लिखें ।

उत्तर:-

طَلَعَ الْبَدْرُ عَلَيْنَا
مِنْ ثَنِيَّاتِ الْوَدَاع
وَجَبَ الشُّكْرُ عَلَيْنَا
مَا دَعَا لِلّٰهِ دَاع

तल अल बदरो अलैना मिन सनीय्यातिल वदाई
वजा बश्शुकरो अलैना मा दआ लिल्लाहे दाई ।

अर्थ:- आज हम पर वदा के पहाड़ की घाटियों से चौदहवीं का चाँद उदय हुआ है इसलिए अब हम पर हमेशा के लिए खुदा का शुकर ज़रुरी हो गया है ।

प्रश्न 10. मदीना मुनव्वरा का पहला नाम क्या था ?

उत्तर:- मदीना मुनव्वरा का पहला नाम यसरब था । जब आँ हज़रत सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम यहाँ तशरीफ लाए तो इसे मदीना तुरस्सूल सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम कहा जाने लगा ।
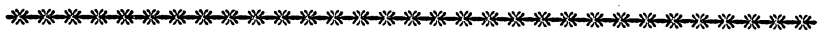
प्रश्न 11. हिजरत के प्रारम्भिक दिनों में आप कुबा और मदीना में किस-किस सहाबी के मकान पर ठहरे ?

उत्तरः- कुबा में हज़रत कुल्सूम रज़ियल्लाह बिन अल हद्म और मदीना में हज़रत अबू अय्यूब अन्सारी रज़ियल्लाहो अन्हो के यहाँ ठहरे ।

प्रश्न 12. मदीना में कौन-कौन से कबीले आबाद थे ?

उत्तरः- अन्सार के दो कबीले औस और खिज़रज यहूद के तीन कबीले बनू कैनका, बनू नज़ीर और बनू कुरैज़ा ।

प्रश्न 13. इस्लामी परिभाषा में ग़ज़वा और सरिया मैं क्या फर्क है ?

उत्तरः- ग़ज़वा वो जंग है जिसमें नबी ए करीम सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम ख़ुद शामिल हुए और सरिया जिसमें आप किसी वजह से शरीक ना हो सके ।

प्रश्न 14. जंगे बदर किस साल हुई और इसमें शामिल होने वालों की संख्या क्या थी ?

उत्तरः- हिजरत के दूसरे साल इस्लाम के विरोधियों से फैसला कुन जंग लड़ी गई । जो यौमुल फुरकान भी कहलाती है । इसमें इस्लामी लश्कर की तादाद 313 और विरोधियों की एक हज़ार थी । लेकिन इसके बावजूद विरोधियों को खुली खुली हार हुई ।

प्रश्न 15. जंगे ओहद कब हुई ?

उत्तरः- जंगे ओहद शव्वाल सन् तीन हिजरी मुताबिक मार्च 624 ई. को हुई?

प्रश्न 16. जंगे अहज़ाब कब लड़ी गई । इसको जंगे खन्दक क्यों कहते हैं ?

उत्तरः- शव्वाल पाँच हिजरी बमुताबिक 627 ई. में हुई । इस जंग में हज़रत सलमान फारसी के मश्वरा से खन्दक खोदी गई । इसलिए गज़वा खन्दक के नाम से भी मशहूर है ।

प्रश्न 17. सुलह होदैबिया से क्या अभिप्राय है ?

उत्तरः- ज़ुल्कदह छह हिजरी (628 ई.) में होदैबिया के स्थान पर विरोधियों और मुसलमानों के दरमियान होने वाली सुलह को सुलह होदैबिया कहते हैं ।

प्रश्न 18. बैअत-ए-रिज़वान से क्या अभिप्राय है और क़ुर्आन करीम में इसका ज़िकर किस सूरत में है ?

उत्तरः- होदैबिया के स्थान पर सुलह से पहले खतरनाक हालात के कारण तकरीबन 1500 सहाबा ने हर किस्म की क़ुर्बानी करने के लिए आँ हज़रत सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम के हाथ पर जो बैअत की थी वो बैअत-ए-रिज़वान के नाम से जानी जाती है । अर्थात वो बैअत जिसमें मुसलमानों ने खुदा की कामिल रज़ामन्दी का इनाम हासिल किया । क़ुर्आनि करीम में इसका ज़िकर सूरतः अल् फ़तह आयत 11 से 19 में है ।

प्रश्न 19. हब्शा के मुहाजिर किस फ़तह के अवसर पर हब्शा से वापिस आए ?

उत्तरः- ग़ज़वा खैबर की फ़तह के अवसर पर आँ हज़रत सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम ने फ़र्माया मालूम नहीं मुझे किस बात की ज़्यादा खुशी है फ़तह खैबर की या हज़रत जाफ़र रज़ियल्लाहो अन्हो के आने की ?

प्रश्न 20. ग़ज़वा ज़ातुरिकअ कब हुआ ? इसका यह नाम रखने का क्या कारण है ?

उत्तरः- ये गज़वा जमादिउस्सानी सात हिजरी में नजद की ओर हुआ । सफ़र की सख़्ती और सवारी की कमी की वजह से सहाबा के पाँव छलनी हो गए । कुछ के पाँव के नाखून तक झड़ गए और उन्होंने अपने कपड़े फाड़-फाड़ कर अपने पाँव पर लपेटे और रास्ता तय किया । इस वजह से इसका नाम गज़वा ज़ातुर्रिकअ (यानि पट्टियों वाला गज़वा) मशहूर हुआ ।

प्रश्न 21. फ़तह मक्का पर संक्षेप में रोशनी डालें ?

उत्तरः- रमज़ानुल मुबारक 8 हिजरी (630 ई.) में रहमतुल्लिल आलमीन हज़रत नबी करीम सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम ने दस हज़ार कुद्दूसीयों के साथ मक्का फतह किया और हुज़ूर ने मक्का वालों के अत्याधिक अत्याचार और बुरे व्यवहार के होते हुए

لَا تَثْرِيْبَ عَلَيْكُمُ الْيَوْمَ فَاذْهَبُوْا اَنْتُمُ الطُّلَقَاءُ

"ला तसरीबा अलैकमुल यौमा फज़हबु अन्तमुत् तुलाकाअ ।"
तुम पर किसी प्रकार की पकड़ नहीं । जाओ तुम सब आज़ाद हो। कहते हुए सब को क्षमा करने का ऐलान फ़रमाया ।

प्रश्न 22. जन्गे तबूक कब हुई ? और उसका दुसरा नाम क्या है ?

उत्तरः- यह लड़ाई 9 हिजरी (630 ई.) में हुई । इसे गज़वा-ए-उसरा भी कहते हैं । क्योंकि इस दूर दराज़ के सफ़र में मुसलमानों को बड़ी संयम के साथ मुसीबतों का सामना करना पड़ा ।

प्रश्न 23. हज्जातुल विदा से क्या अभिप्राय है ?

उत्तरः- 10 हिजरी मार्च (632 ई.) में आँ हज़रत सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम पर हज के दौरान आयते करीमा

اَلْيَوْمَ اَكْمَلْتُ لَكُمْ دِيْنَكُمْ وَاَتْمَمْتُ عَلَيْكُمْ
نِعْمَتِىْ وَرَضِيْتُ لَكُمُ الْاِسْلَامَ دِيْنًا

"अल यौमा अक्मलतो लकुम, दी नकुम व अतममतो आलैकुम् नेमती व रज़ीतो लकोमुल इस्लामा दिना ।"
यानी आज मैंने तुम्हारे लिए तुम्हारा दीन सम्पूर्ण कर दिया है । और तुम पर अपनी सभी वरदान सम्पूर्ण कर दिए हैं। और तुम्हारे लिए इस्लाम को बतौरे दीन पसन्द किया है ।" आकाश से उतारी गई। आपने एक एतिहासिक खुतबा इरशाद फरमाया जो बाद में "खुतबा हज्जातुल विदा" के नाम से प्रसिद्ध हुआ । इसमें आप ने मानने वालों को अलविदा कहते हुए समाज और सभ्यता के कानूनों की व्याख्या फरमाई है आपके जीवन का ये अन्तिम हज था ।

प्रश्न 24. उन कुछ सहाबा का नाम लिखें जिनको व्हयी इलाही (क़ुर्आन मजीद) लिखने का सौभाग्य प्राप्त हुआ ?

उत्तरः- हज़रत अबूबकर (रज़ियल्लहो अन्हो) हज़रत ऊमर (रज़ियल्लहो

अन्हो) हज़रत उसमान (रज़ियल्लाहो अन्हो) हज़रत अली (रिज़यल्लाहो अन्हो) हज़रत जुबैर बिन अलऊवाम (रज़ियल्लाहो अन्हो) हज़रत उबय्यी बिन कअ:ब (रज़ियल्लाहो अन्हो) हज़रत जैद बिन साबित (लिखने वालों की कुल संख्या लगभग 40 थी)

प्रश्न 25. सहाबा रिज़वानुल्लाहे अलैहिम अजमईन का पहला इजमअ (इकट्ठ) कब और किस बात पर हुआ ?

उत्तर:- जब आँ हज़रत सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम के मृत्यु की खबर सहाबा को हुई तो मोहब्बत और इश्क में वह आप के मृत्यु को मान न सके । हज़रत उमर की हालत तो ये थी कि मस्जिद नबुव्वी में तलवार सौन्त कर एलान किया कि जो कहेगा के आप फौत हो गए हैं, उसकी गर्दन उड़ा दुंगा । बाकी सब सहाबा खामोश थे । हज़रत अबुबकर मस्जिद में आए और मिम्बर पर खड़े हो कर ये आयत तिलावत की

وَمَا مُحَمَّدٌ اِلَّا رَسُوْلٌ قَدْ خَلَتْ مِنْ قَبْلِهِ الرُّسُلُ ط

"वमा मोहम्मदुन् इल्ला रसूल, क़द खलत मिन कबलेहीर् रोसुल।" (आले इमरान 145)

अर्थात् (मोहम्मद सल्लम) अल्लाह के रसूल हैं । और आप से पहले सभी रसूलों का देहान्त हो चुका है । इससे सब सहाबा ने स्वीकार किया कि पहले रसूलों की तरह आपकी भी मृत्यु हो गयी है । इसलिए सहाबा के नज़दीक बिलइत्तेफाक आप से पहले सारे रसूल फौत हो चुके थे । ये सहाबा का पहला इजमा (इकट्ठा होना) था।

प्रश्न 26. जन्नतुल बकी से क्या मुराद है ?

उत्तर:- मदीना के एक प्रसिद्ध क़ब्रिस्तान का नाम है । जिस में अज़वाजे मुतहरात (आँ हज़रत की पवित्र पत्नियाँ) क़िबार (बड़े) सहाबा (रज़ि.) और नबी के खानदाश (वशं, नस्ल) के लोग दफ़न हैं ।
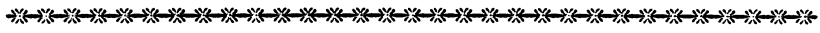
प्रश्न 27. (1) हल़फुल फ़ुज़ूल (2) दारून नदवा (3) शेबे अबीतालीब (4) हजरे असवद (5) अरफ़ात (6) दारे अरकम से क्या मुराद है ?

उत्तर:- (1) हलफुल फ़ुज़ूल - इस्लाम के उदय से पहले कुरैश मक्का ने मकज़ोर लोगों की मदद के लिए एक समझौता किया था इसमें मोहम्मद सल्लम से भी हिस्सा लिया था। क्योंकि इस समझौता में तीन फ़ज़ल नामी व्यक्ति शामिल थे इसलिए यह समझौता हलफ़ुल फ़ुज़ूल के नाम से प्रसिद्ध हो गये ।

(2) दारून् नदवा - कुस्सी बिन कलाब ने खाना काबा के करीब एक घर बनाया था इसमें जमा हो कर कुरैश अपनी ज़रूरी बातें सलाह से तय करते थे ।

(3) शेबे अनि तालिब - मक्का में एक पहाड़ी की शक्ले में यह जगह थी, जहां बनु हाशिम और बनु अब्दुल मुत्तलिब लगभग तीन साल तक कैद रहे।

(4) हजरे असवद - खाना काबा के एक कोना में नसब शुदा एक खास पत्थर है जिसे काअबे के चारों तरफ चक्कर लगाते समय चूमते हैं या हाथ से इशारा करके हाथ को चूमते हैं।

(5) अरफ़ात - वह मैदान है जहाँ हाजी नौ जुल हज्जा को जमा होते हैं ज़ोहर और असर की नमाज़े जमा करके पढ़ते हैं । इमाम का ख़ुत्बा सुनते हैं अरफ़ात में ठहरना हज का एक आवश्यक भाग है।

(6) दारे अरक़म - हज़रत अरकम बिन अरकम का घर जिसे हज़रत मोहम्मद सल्लम ने चार नबुव्वी से छः नबुव्वी तक इस्लाम के प्रचार का केन्द्र बनाए रखा । इस कारण से ये मकान तारीख में ''दारूल इस्लाम'' के नाम से भी प्रसिद्ध है ।

प्रश्न 28. खुलफाये राशदीन के ज़माना खिलाफत की ताईन करें ?

उत्तर:- (1) हज़रत अबुबकर (रज़ियल्लाहो अन्हो) 11 हिजरी ता 13 हिजरी (632 ई.-634 ई.)

(2) हज़रत उमर (रज़ियल्लाहो अन्हो) 13 हिजरी ता 24 हिजरी
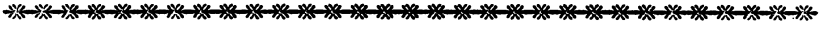
(634 ई.-644 ई.)

(3) हज़रत उसमान (रज़ियल्लाहो अन्हो) 24 हिजरी ता 35 हिजरी (645 ई.-656 ई.)

(4) हज़रत अली (रज़ियल्लाहा अन्हो) 35 हिजरी ता 40 हिजरी (656 ई.-661 ई.)

प्रश्न 29. सन् हिजरी कमरी को किसने जारी किया ? इसके महीनों के नाम बताएँ ?

उत्तर:- हज़रत उमर फारूक़ रज़ियल्लाहो अन्हो ने,और महीनों के नाम - मुहर्रम, सफ़र, रबीउल अव्वल, रबीउस्सानी, जमादील अव्वल, जमादीस्सानी, रजब, शअबान, रमज़ान, शव्वाल, ज़ुलकअदा, ज़ुलहिज्जा ।

प्रश्न 30. हज़रत इमाम हुसैन रज़ियल्लाहो अन्हो की जन्म तिथी और शहादत की तिथी बताएँ ?

उत्तर:- हज़रत इमाम हुसैन रज़ियल्लाहो अन्हो शअबान 4 हिज़री में पैदा हुए । यज़ीद बिन मुआविया के हुकूमत के समय में 10 मोहरम 61 हिजरी को करबला के मैदान में शहीद किए गए ।

प्रश्न 31. खानदान बनु उमय्या का संस्थापक कौन था ? हकूमत का ज़माना बताएँ ?

उत्तर:- हज़रत अमीर मुआविया बिन अबु सुफ़ियान के हाथों 41 हिजरी 661 ई. में बनु उमय्या की हुकूमत कायम हुई । और 132 हिजरी 749 ई. में ''मरवाने सानी'' पर समाप्त हो गई ।

प्रश्न 32. खानदाने बनु अब्बास के संस्थापक का नाम और हुकूमत का युग बताएँ ?

उत्तर:- अबुल अब्बास अब्दुल्लाह बिन अस्सफाह् के हाथों नींव रखी गई आखरी खलीफा अलमुस्तअसिम् बिल्लाह था । जिनका हलाकु खान ने खून कर दिया । युग 132 हिजरी ता 656 हिजरी (749 ई. 1250 ई.) ।

प्रश्न 33. मिसर, ईरान, स्पेन और सिन्ध को विजय करने वाले कौन थे ?
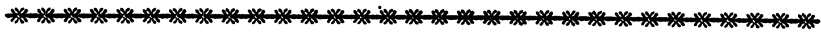
उत्तरः- मिसर के विजयी हज़रत उमर बिन अल्आस रज़ियल्लाहो अन्हो, ईरान के विजयी हज़रत सअद रज़ियल्लाहो अन्हो बिन अबिवक्कास, स्पेन के विजयी तारीक़ बिन ज़्याद और सिन्ध के विजयी मोहम्मद बिन कासिम थे।

प्रश्न 34. स्पेन में मुसलमानों ने कितने समय तक राज किया ?

उत्तरः- लगभग 700 साल तक ।

प्रश्न 35. स्पेन के शाही महल अल् हमरा पर क्या अरबी इबारतें लिखी हुई हैं ?

उत्तरः- اَلْعِزَّةُ لِلّٰهِ، اَلْقُدْرَةُ لِلّٰهِ، اَلْحُكْمُ لِلّٰهِ، لَا غَالِبَ اِلَّا اللّٰهُ

"अल् इज्जतो लिल्लाहे", "अल् कुदरतो लिल्लाहे", "अल् हुक्मों लिल्लाहे", "ला गालिबा इल्लल्लाहो" ।

हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम

प्रश्न 1. आँ हज़रत सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम की भविष्यवाणी के अनुसार मसीह मौऊद कौन हैं ? कब और कहाँ पैदा हुए ?

उत्तर:- हज़रत मिर्ज़ा ग़ुलाम अहमद साहिब कादियानी अलैहिस्सलाम । आप 14 शव्वाल 1250 हिजरी, 13 फरवरी 1835 ई. जुम्मातुल मुबारक के दिन कादियान में पैदा हुए ।

प्रश्न 2. आपके पिता और माता जी का नाम क्या था ?

उत्तर:- पिता जी का नाम हज़रत मिर्ज़ा ग़ुलाम मुरतज़ा साहिब रईस कादियान और माता जी का नाम चिराग़ बीबी साहिबा था ।

प्रश्न 3. हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम को पहली भविष्यवाणी कब हुई ?

उत्तर:- आपको पहला इलहाम लगभग 1865 ई. में हुआ ।

प्रश्न 4. हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम का पहला इलहाम बताएँ ?

उत्तर:- ثَمَانِيْنَ حَوْلًا اَوْ قَرِيْبًا مِّنْ ذٰلِكَ اَوْ تَزِيْدُ عَلَيْهِ سِنِيْنًا وَتَرٰى نَسْلًا بَعِيْدًا

"समानीना हौलन् औ करीबम् मिन ज़ालीका औ ताज़ीदो अलैहि सिनिनन् व तरा नस्लन् बईदन् अर्थात् तेरी आयु अस्सी वर्ष की होगी या दो- चार कम या कुछ वर्ष अधिक और तु इतनी आयु पाएगा कि एक युग की नसल देखेगा । (तज़क़िरा प्रकाशित 1969 ई. सफ़ा 7)

प्रश्न 5. आपको मामूरियत का पहला इलहाम कब हुआ ?

उत्तर:- मार्च 1882 ई. को इलहाम हुआ ।

قُلْ اِنِّيْ اُمِرْتُ وَاَنَا اَوَّلُ الْمُؤْمِنِيْنَ

"कुल इन्नी ओमिरतो व अना अव्वलुल् मुमेनीना" अर्थात् तु कह दे मुझे आदेश है और मैं मोमिनों में सबसे प्रथम हूँ ।

प्रश्न 6. हज़रत मसीह नासरी अलैहिस्सलाम के अरहास और हज़रत मसीह

मौऊद अलैहिस्सलाम के अरहास कौन थे ? (अरहास से अभिप्राय वह वजूद हैं जो किसी दूसरे वजूद से पहले उसके लिए बतौरे अलामत और निशान के हों) ।

उत्तर:- हज़रत मसीह नासरी के अरहास हज़रत यहया अलैहिस्सलाम थे । जिनका नाम इनजील में यूहन्ना है । और हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम के अरहास हज़रत सय्यद अहमद बरेलवी शहीद रहमतुल्लाह थे ।

प्रश्न 7. हज़रत मसीह मौऊद के विरोद्धता में सबसे पहला मुकद्दमा कब और किसने किया ?

उत्तर:- 1877 ई. में एक इसाई रलिया रम ने किया । ये "मुकद्दमा डाकखाना" के नाम से प्रसिद्ध है ।

प्रश्न 8. दस शराएत बैअत का एलान हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम ने कब किया ?

उत्तर:- 12 जनवरी 1889 ई. को 'तकमीले तबलीग़' इश्तिहार द्वारा ।

प्रश्न 9. आपने पहली बैअत कब और कहाँ ली ?

उत्तर:- 23 मार्च 1889 ई. को लुधियाना में आपने पहली बैअत हज़रत सूफी अहमद जान साहिब के मकान पर ली ।

प्रश्न 10. पहले दिन कितने लोगों ने बैअत की और सबसे पहले बैअत करने वाले कौन थे ?

उत्तर:- 40 लोग थे । हज़रत हकीम मौलाना नूरूद्दीन साहिब खलीफ़ा अव्वल ने सबसे पहले बैअत की ।

प्रश्न 11. जमाअत-ए-अहमदिय्या का नाम जमाते अहमदिय्या कब रखा गया ?

उत्तर:- मार्च 1901 ई. में जन गणना के समय (अवसर) पर नाम रखा गया ।

प्रश्न 12. हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम की कुल कितनी पुस्तकें हैं ? पहली और आख़री का नाम सन् के साथ बताएँ ?

उत्तर:- 80 से अधिक पुस्तकें आपने लिखीं । आपकी पहली पुस्तक

''बराहीने अहमदिय्या'' भाग एक और दो 1880 ई. में प्रकाशित हुई और आखरी ''पैग़ामे सुलाह'' 1908 ई. में ।

प्रश्न 13. हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम की दूसरी शादी किस ख़ानदान में हुई और किस से हुई ?

उत्तर:- नवम्बर 1884 ई. में हज़रत मसीह मौऊद ने दूसरी शादी दिल्ली के सुप्रसिद्ध सूफ़ी हज़रत ख़्वाजा मीर दर्द के ख़ानदान में हज़रत सैय्यदा नुसरत जहां बेगम साहिबा से हुई और इन्हीं के कोख मुबारक से वह औलाद हुई जिस की अल्लाह ने पहले से खुशखबरी दी थी ।

प्रश्न 14. हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम का सफ़र होशियार पुर तारीख अहमदिय्यत में क्यों मशहूर हैं ?

उत्तर:- ये सफ़र आपने जनवरी 1886 ई. में किया आपने वहाँ चालीस दिन तक एकान्त में इबादत की इसी दौरान आपको मुसलेह मौऊद की अज़ीम बशारत (खुशखबरी) दी गई ।

प्रश्न 15. हज़रत मसीह मौऊद की औलाद के नाम तारीख़ के साथ जन्म बताएँ ?

उत्तर:- (1) साहबज़ादी सैयदा असमत साहिबा - जन्म मई 1886 ई. वफ़ात (मृत्यु) जुलाई 1891 ई. ।

(2) साहबज़ादा बशीर अव्वल (प्रथम) जन्म 7 अगस्त 1887 ई. मृत्यु 4 नवम्बर 1888 ई. ।

(3) हज़रत साहिबज़ादा मिर्ज़ा बशीरुद्दीन महमूद अहमद साहिब, जन्म 12 जनवरी 1889 ई. वफ़ात 8 नवम्बर 1965 ई. ।

(4) साहिबज़ादी सय्यदा शौव[illegible] साहिबा, जन्म 1891 ई. मृत्यु 1892 ई. ।

(5) हज़रत साहिबज़ादा मिर्ज़ा बशीर अहमद साहिब एम.ए., जन्म 20 अप्रैल 1893 ई. देहान्त 2 सितम्बर 1963 ई. ।

(6) हज़रत साहिबज़ादा मिर्ज़ा शरीफ़ अहमद साहिब, जन्म 24 मार्च 1895 ई. मृत्यु 26 मई 1961 ई. ।
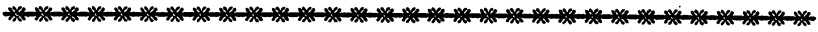
(7) हज़रत साहिबज़ादी नवाब मुबारका बेगम साहिबा, जन्म 2 मार्च 1897 ई. देहान्त 23 मई 1977 ई. ।

(8) हज़रत साहिबज़ादा मिर्ज़ा मुबारक अहमद साहिब, जन्म 14 जून 1899 ई. मृत्यु 16 सितम्बर 1907 ई. ।

(9) साहिबज़ादी सैय्यदा अमृतुल नसीर साहिबा, जन्म 28 जनवरी 1903 ई. मृत्यु 3 दिसम्बर 1903 ई. ।

(10) हज़रत साहिबज़ादी अमतुल हफ़ीज़ बेगम साहिबा, वलादत 25 जून 1904 वफ़ात 6 मई 1987 ई. ।

प्रश्न 16. हुज़ूर ने मसीहय्यत व महदविय्यद का ऐलान (घोषणा) कब किया ?

उत्तर:- 1890 ई. में मसीहय्यत और 20 मई 1891 ई. को महदविय्यद का ऐलान किया । (नोट:- मामुरियत के इल्हामों के आधार पर अल्लाह के हुक्म से आपने 23 मार्च 1889 ई. को सिलसिला बैअत का आरम्भ फ़रमाया था ।)

प्रश्न 17. जमाअत अहमदिय्या का पहला जलसा सालाना कब और कहाँ हुआ ?

उत्तर:- 27 दिसम्बर 1891 ई. को मस्जिद अक्सा कादियान में हुआ ।

प्रश्न 18. चान्द और सूरज ग्रहण का निशान कब दिखाई दिया ?

उत्तर:- हज़रत मोहम्मद सल्लम की भविष्यवाणी के अनुसार हिन्दुस्तान अर्थात पूर्व की ओर 13 रमज़ान 1311 हिजरी (21 मार्च 1894 ई.) को चाँद ग्रहण और 28 रमज़ान 1311 हिजरी 6 अप्रैल 1894 ई. को सूरज ग्रहण का निशान दिखाई दिया । जबकि अमेरिका अर्थात दक्षिण की ओर 11 मार्च 1895 ई. को चान्द ग्रहण और 26 मार्च 1895 ई. को सूरज ग्रहण हुआ ।

प्रश्न 19. कादियान में ज़ियाउल इस्लाम प्रैस और कुतब खाना कब काएम किया गया ?

उत्तर:- 1895 ई. में ।

प्रश्न 20. जलसा धर्म महोत्सव कब और कहाँ आयोजित हुआ ?

उत्तर:- धर्म महोत्सव 26 ता 29 दिसम्बर 1896 ई. को लाहौर में हुआ।

प्रश्न 21. जलसा धर्म महोत्सव पर क्या निशान ज़ाहिर हुआ ?

उत्तर:- इस जलसा के लिए हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम ने एक लेख (निबंध) लिखा और ख़ुदा से सूचना पाकर जलसा से पहले ही घोषणा कर दी कि खुदा ने मुझे बताया है कि मेरा ये लेख सारे लेखों पर विजयी रहेगा । फिर ऐसा ही हुआ । जब हज़रत मौलवी अब्दुल करीम साहिब स्यालकोटी ने आपका लिखा निबंध पढ़ा तो सबने स्वीकार किया कि आपका लेख सब पर विजयी रहा ये लेख "इस्लामी उसूल की फ़लासफ़ी" के नाम से बाद में प्रकाशित हुआ ।

प्रश्न 22. आपके इलहाम "शाताने तुज़बहाने" (दो बकरियाँ ज़बह (हलाल) की जाएँगी) से क्या अभिप्राय है ?

उत्तर:- इसमें हज़रत मौलवी अब्दुर् रहमान साहिब और हज़रत साहिबज़ादा अब्दुल् लतीफ साहिब की दर्दनाक शहादत की तरफ इशारा है । इन दोनों बुजरगों को अफ़गानिस्तान की भूमि पर अहमदी होने के कारण शहीद कर दिया गया ।

प्रश्न 23. हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम को "इन्नी उहाफ़िज़ु कुल्ला मन् फ़िद्दार ।" की भविष्यवाणी किस बारे में हुई ?

उत्तर:- हुज़ूर के घर दारुल मसीह में ठहरे हुए सब लोग और सच्चे अहमदियों के ताऊन (प्लेग) से सुरक्षित रहने के विषय में ।

प्रश्न 24. ऐसे पाँच विरोद्धियों के नाम सन के साथ बतायें जिन की मृत्यु हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम की भविष्यवाणी के अनुसार हुई ?

उत्तर:- (1) लेखराम पेशावरी 1897 ई. (2) डाक्टर एलगज़न्डर डोई ऑफ अमेरिका 1907 ई. (3) साआदुल्लाह लुधियानुवी 1907 ई. (4) अब्दुल्लाह आथम 1896 ई. (5) मुंशी इलाही बख़्श साहिब एकाउन्टेन्ट लाहौर 1907 ई. ।

प्रश्न 25. हज़रत मसीह मौऊद का अरबी, फारसी, अंग्रेज़ी, उर्दु और
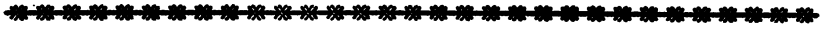
पंजाबी की एक-एक आकाशवाणी लिखें ।

उत्तरः- अरबी इलहाम :-

"اَلَيْسَ اللّٰهُ بِكَافٍ عَبْدَهٗ"

"अलैसल्लाहो बे काफ़ीन अब्दहु" (कया अल्लाह अपने बन्दे के लिए काफी नहीं है)

फरसी इलहामः-

"مکن تکیہ بر عمر ناپائیدار"

"मकुन तकिया बर उमरे ना पाएदार" (इस आरज़ी ज़िन्दगी का भरोसा मत करो)

अंग्रेज़ी इलहामः-

I SHALL GIVE YOU A LARGE PARTY OF ISLAM

अर्थात : मैं तुझे मुसलमानों की एक बड़ी जमाअत दूँगा ।

उर्दू इलहामः-

"دنیا میں ایک نذیر آیا پر دنیا نے اس کو قبول نہ کیا لیکن خدا اسے قبول کرے گا اور بڑے زور آور حملوں سے اس کی سچائی ظاہر کر دے گا"

"दुनिया में एक नज़ीर आया पर दुनिया ने उसको कबूल ना किया। लेकिन खुदा उसे कबूल करेगा और बड़े ज़ोर आवर हमलों से उसकी सच्चाई ज़ाहिर कर देगा।"

पंजाबी इलहामः-

"ਜੇ ਤੂੰ ਮੇਰਾ ਹੋ ਰਹੇਂ ਸਬ ਜਗ ਤੇਰਾ ਹੋ"

"जै तूं मेरा हो रहें सब जग तेरा हो।"

प्रश्न 26. हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम के इश्के रसुल सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम के अनुसार अरबी, फारसी और उर्दू कलाम में से एक-एक शेयर बताएँ ।

उत्तरः- अरबी शेयरः-

جِسْمِيْ يَطِيْرُ اِلَيْكَ مِنْ شَوْقٍ عَلَا
يَا لَيْتَ كَانَتْ قُوَّةُ الطَّيَرَانِ

''जीस्मी यतीरो इलैका मिन शौकिन अला
या लैता कानत कुव्वतुत तैरानी ।''

अर्थात्- मेरा शरीर किसी शौक व मोहब्बत से तेरी तरफ उड़ा चला जा रहा है । ऐ काश के मुझ में उड़ने की ताक़त (शक्ति) होती ।

फारसी शेर:-

بعد از خدا بعشق محمد مخمرم
گر کفر ایں بود بخدا سخت کافرم

बाद अज़ ख़ुदा ब इश्के मोहम्मद मुख़म्मरम
गर कुफर ईं ब वद बख़ुदा सख्त काफ़िरम

अर्थात्- अल्लाह के बाद मैं इश्के मोहम्मद के नशे में चूर हूँ। ये कुफ़र है तो ख़ुदा की कसम मैं सख्त काफ़िर हूँ ।

उर्दू शेर:-

ربط ہے جان محمد سے مری جاں کو مدام
دل کو یہ جام لبالب ہے پلایا ہم نے

रब्त है जाने मोहम्मद से मेरी जाँ को मुदाम ।
दिल को ये जाम लबा लब है पिलाया हमने ॥

प्रश्न 27. आप के इश्के क़ुर्आन के बारे में एक शेर बताएँ ?

उत्तर:- ''दिल में यही है हरदम तेरा सहीफ़ा चूमूं,
क़ुर्आं के गिर्द घुमूं कआबा मिरा यही है ।''

प्रश्न 28. हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम की कोई इलहामी दुआ बताएँ जिसे आपने कसरत से पढ़ने का इरशाद फरमाया ?

उत्तर:- رَبِّ كُلُّ شَيْءٍ خَادِمُكَ رَبِّ فَاحْفَظْنِيْ

وَانْصُرْنِیْ وَارْحَمْنِیْ

"रब्बे कुल्लो शैइन् ख़ादेमोका रब्बे फ़ह फ़ज़नी वन सुरनी वर हम्नी।" अर्थात् ऐ हमारे रब हर एक चीज़ तेरी खादिम (सेवक) है । ऐ मेरे खुदा मेरी रक्षा कर और मेरी मदद क़र और मुझ पर रहम कर ।

प्रश्न 29. "جَرِیُّ اللّٰہِ فِیْ حُلَلِ الْاَنْبِیَاءِ" "जरीयुल्लाहे फ़ी हुल्लिल अम्बेयाए" (ख़ुदा का पहलवान नबियों के लिबास में) कौन हैं और क्यों ?

उत्तर:- ये उपाधी अल्लाह तआला ने आकाशवाणी के द्वारा हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम को दिया है क्योंकि हज़रत मोहम्मद सल्लम की ग़ुलामी में आप सभी पिछले नबियों के प्रतिबिंब हैं ।

प्रश्न 30. हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम ने अपना दूसरा देश किस को माना है ?

उत्तर:- सियालकोट को ।

प्रश्न 31. हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम ने कपूरथला और जमाअत कपूरथला के बारे में क्या फ़रमाया है ?

उत्तर:- आपने फरमाया कपूरथला कादियान का एक मुहल्लाह है । और कपूरथला के भाइयों को लिखा - "मैं उम्मीद करता हूँ कि आप लोग कयामत के दिन भी मेरे साथ होंगे, क्योंकि दुनिया में भी आपने मेरा साथ दिया ।"

प्रश्न 32. हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम के पाँच सहाबा (साथियों) के नाम बताएँ ?

उत्तर:- (1) हज़रत मुफ़्ती मुहम्मद सादिक़ साहिब रज़ि. (2) हज़रत मौलाना शेर अली साहिब रज़ि (3) हज़रत शेख़ याकूब अली इरफ़ानी साहिब रज़ि (4) हज़रत मौलाना सय्यद मुहम्मद सरवर शाह साहिब रज़ि (5) हज़रत हाफ़िज़ रौशन अली साहिब रज़ि ।
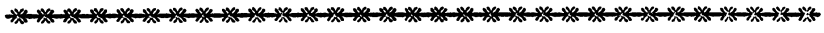
प्रश्न 33. हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम की दो आकाशवाणी बताएं, जिनमें कादियान से हिजरत और वापसी के बारे में बताओ ?

उत्तर:- "داغِ ہجرت"

"اِنَّ الَّذِیْ فَرَضَ عَلَیْکَ الْقُرْآنَ لَرَآدُّکَ اِلٰی مَعَادٍ"

"दाग़े हिजरत" और "इन्नल्लज़ी फ़रज़ा अलैकल् क़ुर्आन् लराद्दोका इला मआद ।" (वह ख़ुदा जिसने तुझ पर क़ुर्आन की सेवा को फर्ज़ किया है । तुझे तेरे ठिकाने की तरफ़ वापस लाएगा।)

प्रश्न 34. हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम की कोई दस किताबों के नाम बताएँ ?

उत्तर:- (1) सुरमा चश्मे आरया (2) फ़त्हे इस्लाम (3) तोज़ीह मराम् (4) इज़ाला औहाम (5) आईना कमालाते इस्लाम (6) हकीकतुल वही (7) एजाज़ुल् मसीह (8) मसीह हिन्दुस्तान में (9) तोहफ़ा गोलड़विया (10) किश्ती नूह ।

प्रश्न 35. "बरकातुद् दुआ" हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम ने किस को समझाने के लिए लिखी ?

उत्तर:- अप्रैल 1893 ई. में सर सैयद अहमद खान को समझाने के लिए लिखी ।

प्रश्न 36. "जंग्गे मुकद्दस" से क्या अभिप्राय है ?

उत्तर:- हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम और पादरी अब्दुल्लाह आथम के बीच 1893 ई. में जो मशहूर लिखति व भाषणी (वाद विवाद) अमृतसर में हुआ वह जंग्गे मुकद्दस के नाम से प्रसिद्ध है ।

प्रश्न 37. जमाअते अहमदिय्या के वह कौन से दो पहले अखबार हैं जिन्हें हज़रत मसीह मौऊद ने जमाअत के दो बाज़ू बताया है ?

उत्तर:- "अलहकम", और "अलबदर" ।

प्रश्न 38. रिवियु ऑफ रेलीजन्ज़ उर्दू, अंग्रेज़ी कब जारी हुआ ?

उत्तर:- जनवरी 1902 ई. ।

प्रश्न 39. मिनारातुल मसीह और बएतुद् दुआ का नींव पत्थर कब

और किसने रखा ?

उत्तर:- सैयदना हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम ने 13 मार्च 1903 ई. को रखा ।

प्रश्न 40. हज़रत मौलाना अब्दुल क़रीम साहिब सियालकोटी और हज़रत मौलवी बुरहानुद्दीन साहिब जहलमी का देहान्त कब हुआ ।

उत्तर:- हज़रत मौलवी अब्दुल करीम साहिब सियालकोटी 11 अक्तूबर 1905 ई. को और हज़रत मौलवी बुरहानुद्दीन साहिब जहलमी 3 दिसम्बर 1905 को फ़ौत हुए ।

प्रश्न 41. सदर अन्जुमन अहमदिय्या का आरम्भ कब हुआ ?

उत्तर:- 29 जनवरी 1906 ई. को हुआ ।

प्रश्न 42. वक़्फे ज़िन्दगी की पहली मुनज़्ज़म् तहरीक कब हुई ?

उत्तर:- सितम्बर 1907 ।

प्रश्न 43. बहिश्ती मकबरा की नींव किस वर्ष में रखी गई ?

उत्तर:- दिसम्बर 1905 ई. में ।

प्रश्न 44. हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम का मृत्यु दिवस बताएँ ?

उत्तर:- 26 मई 1908 ई. को हज़ूर ने लाहौर में वफ़ात पाई और 27 मई 1908 को हज़रत खलीफ़तुल मसीह अव्वल ने बहिश्ती मकबरा कादियान में नमाज़े जनाज़ा पढ़ाई और आप को वहीं दफ़न किया गया ।

प्रश्न 45. हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम के अन्तिम शब्द क्या थे ?

उत्तर:- ''अल्लाह-मेरे प्यारे अल्लाह'' ।

प्रश्न 56. हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम ने अपने फ़ारसी कलाम में ''शेखे अजम'' किस को बताया है ?

उत्तर:- हज़रत साहिबज़ादा अब्दुल लतीफ साहिब शहीद को बताया है । आप को 16 जुलाई 1903 को काबुल (आफगानिस्तान) में शहीद कर दिया गया था ।

हज़रत ख़लीफ़तुल मसीह अव्वल का युग

प्रश्न 1. हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम के बाद पहले खलीफ़ा कौन बने ? आप का जन्म कब हुआ और कब ख़लीफ़ा बने ?

उत्तर:- अलहाज हज़रत मौलाना हकीम नुरूद्दीन साहिब भैरवी रज़ियल्लाह अन्हो 1256 हिजरी (1841 ई.) में आप का जन्म हुआ। 27 मई 1908 को खलीफा बने।

प्रश्न 2. हज़रत ख़लीफ़ातुल मसीह अव्वल के पिता जी और माता जी का नाम लिखिए।

उत्तर:- पिता जी का नाम हाफ़िज़ गुलाम रसूल साहिब और माता जी का नाम नूर बख़्त साहिबा था।

प्रश्न 3. आपको हज्जे बएतुल्ला का सौभाग्य कब प्राप्त हुआ ?

उत्तर:- 1865 ई.।

प्रश्न 4. भिन्न प्रकार का ज्ञान सीखने के लिए आपको कई स्थानों पर यात्रा करनी पड़ी कुछ स्थानों के नाम बुताएँ ?

उत्तर:- मक्का मुकर्रमा, मदीना मुनव्वरा, लाहौर, मुम्बई, पिंड दादान खान, रावल पिन्डी, राम पुर, लखनऊ और भोपाल।

प्रश्न 5. आपने हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम से पहली बार कब भेंट की ?

उत्तर:- 1885 ई. में।

प्रश्न 6. हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम ने आपको सदर अन्जुमन अहमदीया का पहला सदर कब नियुक्त किया ?

उत्तर:- 29 जनवरी 1906 ई. को।

प्रश्न 7. हज़रत खलीफ़तुल मसीह अव्वल की जीवनी से सम्बंधित सबसे पहली कौनसी किताब लिखी गई ?

उत्तर:- "मिरकातुल यकीन फ़ी हयाते नुरूद्दीन।"

प्रश्न 8. आपकी मशहूर पुस्तकों के नाम बताएँ ?

उत्तर:- (1) फ़सलुल ख़िताब।

(2) तसदीके बराहीने अहमदीया ।

(3) अबताले ऊतूहिय्यते मसीह ।

(4) नूरूद्दीन ।

प्रश्न 9. आपके बारे में हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम का कोई शेयर लिखें ?

उत्तर:- चः खुश बूदे अगर हर यक ज़ःउम्मत नुरे दीं बूदे
हमीं बूदे अगर हर दिल पुर अज़् नुरे यकीं बूदे ।
अर्थात्:- क्या ही अच्छा हो अगर कौम का हर व्यक्ति नुरूद्दीन बन जाए । मगर ये तब ही हो सकता है कि हर दिल विश्वास के नूर से भर जाए ।

प्रश्न 10. आपकी इताअत (आज्ञाकारी) के बारे में हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम ने क्या बताया है ?

उत्तर:- "मेरे हर एक काम में मेरी इस तरह पैरवी (अनूसरण) करते हैं । जैसे नबज़ की हरकत सांस सांस की हरकत का अनुसरण करती है ।" (आईना कमालाते इस्लाम) ।

प्रश्न 11. हज़रत ख़लीफ़ातुल मसीह अव्वल ने बैतुल माल का दफ़्तर (महकमा) कब बनाया ?

उत्तर:- 30 मई 1908 ई. को ।

पश्न 12. बोर्डिंग तालीमुल् इस्लाम हाई स्कूल कादियान की नींव कब और किसने रखी ?

उत्तर:- 1910 ई. में हज़रत खलीफ़ातुल् मसीह अव्वल ने ।

प्रश्न 13. हज़रत खलीफातुल मसीह अव्वल का देहान्त कब हुआ ?

उत्तर:- 13 मार्च 1914 ई. को ।

प्रश्न 14. पहली खिलाफ़त के कुछ आवश्यक कार्यों के नाम बताएँ ?

उत्तर:- जमाअत के मुबल्लिग़ों की सही ढ़ंग से नियुक्ति (पहले मुबल्लिग़ हज़रत चौधरी फ़तह मोहम्मद साहिब सियाल थे जिन्हें युरोप भिजवाया गया) बैतुल माल की स्थापना, लंगर खाना का सही ढ़ंग से प्रबन्ध, अख़बार "नूर" और अख़बार "अलहक" का

प्रकाशन, मदरसा अहमदिय्या की स्थापना, कादियान में पब्लिक लाईब्रेरी की स्थापना ।

प्रश्न 15. दैनिक ''अलफ़ज़ल'' कब जारी किया गया ? इसके पहले सम्पादक कौन थे ?

उत्तर:- 18 जून 1913 ई. को हज़रत साहिबज़ादा मिर्ज़ा बशीरुद्दीन महमूद अहमद साहिब की सम्पादिकता में जारी हुआ । आरम्भ में साप्ताहिक था फिर तीन दिवसीय हुआ और 8 मार्च 1935 ई. से दैनिक हो गया ।

जमाअत-ए- अहमदिय्या के द्वितीय ख़लीफ़ा (उतराधिकारी) का युग

प्रश्न 1. दूसरी खिलाफत का आरम्भ कब हुआ ?

उत्तर:- 14 मार्च 1914 ई. को ।

प्रश्न 2. हज़रत साहिबज़ाद मिर्ज़ा बशीरुद्दीन महमूद अहमद ख़लीफ़ातुल मसीह सानी हज़रत मोहम्मद सल्लम के किस भविष्यवाणी के अनुसार थे ?

उत्तर:- "يَتَزَوَّجُ وَيُوْلَدُ لَهٗ"

''यतज़व्वजो व यूलदो लहू'' अर्थात् मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम शादी करेगा और उनके महान औलाद होगी ।

प्रश्न 3. हज़रत खलीफातुल मसीह सानी ने कब हज किया ?

उत्तर:- 1912 ई. को ।

प्रश्न 4. हज़रत ख़लीफ़ातुल मसीह सानी ने ज़िन्दगी वकफ़ करने की पहली स्थापना कब की ?

उत्तर:- 7 दिसम्बर 1917 ई. को ।

प्रश्न 5. सदर अंजुमन अहमदिय्या में नज़ारतों की स्थापना कब हुई ?

उत्तर:- 1 जनवरी 1919 ई. को ।
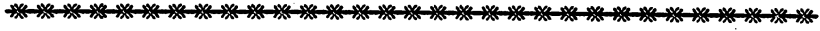
प्रश्न 6. हज़रत ख़लीफ़ातुल मसीह सानी ने विदेशों के कितने और कब दौरे किये ?

उत्तर:- दो दौरे किए । 1924 में पहली बार लंदन में वैम्बले कान्फ्रेंस में शामिल होने के लिए गए । इस कांफ्रेन्स के लिए आपने ''अहमदिय्यत'' के नाम से एक लेख लिखा जो बाद में किताबी शकल में प्रकाशित हुआ । रास्ता में मिस्र, शाम और फिलिस्तीन भी ठहरे । जबकि दूसरा दौरा 1955 में किया जब आप युरोप गए।

प्रश्न 7. हज़रत मुस्लेह मौऊद ने विदेश में किस मस्जिद का नींव पत्थर अपने शुभ हाथों से रखा ?

उत्तर:- मस्जिद फ़ज़ल लंदन (ये विदेश में सबसे पहली बनाई जाने वाली मस्जिद थी) 1924 में नींव पत्थर रखी और 1926 ई. में पूरी हुई।

प्रश्न 8. अहमदी औरतों के सालाना जलसा का आरम्भ कब हुआ ?

उत्तर:- दिसम्बर 1926 ई. में ।

प्रश्न 9. हुज़ूर के आदेश पर हिन्दुस्तान भर में पहला सीरतुन्नबी दिवस कब मनाया गया ?

उत्तर:- 17 जून 1928 ई. में ।

प्रश्न 10. हज़रत मुस्लेह मौऊद रज़ियल्लाहो अन्हो ने अपना दूसरा वतन किस स्थान को बनाया ?

उत्तर:- लाहौर को (अल्फ़ज़ल 16 दिसम्बर 1947 ई.)

प्रश्न 11. आपको मुस्लेह मौऊद होने के बारे में क्या आकाशवाणी हुई और आपने दावा मुसलेह मौऊद कब किया ?

उत्तर:- أَنَا الْمَسِيْحُ الْمَوْعُوْدُ مَثِيْلُهٗ وَخَلِيْفَتُهٗ

''अनल मसीहुल मौऊदो मसीलूहु व ख़लीफ़तुहू ।'' एलान - 28 जनवरी 1944 ई. किया ।

प्रश्न 12. तालीमुल इस्लाम कॉलेज कादियान का उद्घाटन कब और किसने किया ?
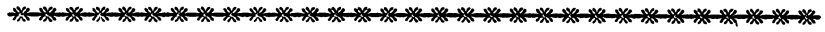
उत्तर:- 4 जून 1944 को सय्यदना हज़रत मुस्लेह मौऊद द्वितीय उतराधिकारी ने उदघाटन किया ।

प्रश्न 13. आपकी कुछ कितबों के नाम बताएँ ।

उत्तर:- (1) दअवतुल अमीर (2) तअल्लुक बिल्लाह (3) हस्तीबारी तआला (4) मिन्हाजु-त्तालिबीन (5) मलाएकतुल्लाह (6) निज़ामे नौ (7) इस्लाम का इक्तेसादी निज़ाम (8) सीरत ख़ैरुरुसुल (9) आईनाए सदाकत (10) तफ़सीरे सगीर (11) तफ़सीरे कबीर (12) तकदीरे इलाही (13) ज़िकरे इलाही ।

प्रश्न 14. हज़रत खलीफ़तुल मसीह सानी का देहान्त कब हुआ ?

उत्तर:- 7/8 नवम्बर 1965 ई. के मध्या रात्रि को जो सोमवार की रात थी ।

प्रश्न 15. भारत के बाहर जमाअते अहमदिय्या का पहला प्रचारक केन्द्र कब और किसके द्वारा स्थापित किया गया ।

उत्तर:- 28 जून 1914 ई. को लंदन में हज़रत चौधरी फ़तेह मुहम्मद साहिब सियाल के द्वारा स्थापित किया गया ।

प्रश्न 16. जमाते अहमदिय्या की बकाएदा मजलीसे मुशावरात कब शुरू हुई?

उत्तर:- 15/16 अप्रैल 1922 ई. को ।

प्रश्न 17. हीजरी शमसी साल का आरम्भ किसने किया ? इसके महीनों के नाम और नाम रखने का कारण बयान करें ?

उत्तर:- सैय्यदना हज़रत खलीफ़तुल मसीह द्वतीय ने 1940 ई. में जारी किया ताकि यह इस्लामी कैलेंडर इस्वीं कैलेंडर के स्थान पर प्रयोग किया जा सके । इसके महीनों के नाम इस्लामी इतिहास की मशहूर घटनाओं (वाक्यात) से ली गई हैं जो निम्न लिखित हैं :

(1) सुलह (जनवरी) इस मास हज़रत मोहम्मद सल्लम की मक्का वालों से "सुलह हुदैबिया" (हुदैबिया का समझौता) हुई ।

(2) तबलीग़ (फ़रवरी) आँहज़रत स.अ.व. ने बादशाहों के नाम तबलीग़ी पत्र भेजे ।

(3) **अमान** (मार्च) हज्जतुलविदा के अवसर पर रहमतुल्लिल आलमीन सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम ने लोगों के जान व माल व इज़्ज़त व आबरू की रक्षा का एलान फरमाया ।

(4) **शहादत** (अप्रैल) इस मास इस्लाम के दुश्मनों ने धोखे और गद्दारी से काम लेते हुए ''रजीअ'' और ''बिइरे मऊना'' के स्थानों पर 77 सहाबा को शहीद कर दिया । दोनों स्थानों के लोगों ने हज़रत मुहम्मद सल्लम से इस्लाम सीखने के लिए सहाबा को बतौरे मुअल्लिम भेजने की दरखास्त की थी बिअरे मऊना में शहीद होने वाले 69 सहाबा कुरआन के हाफ़िज़ थे ।

(5) **हिजरत** (मई) हज़रत मुहम्मद सल्लम मक्का से हिजरत करके मदीना तशरीफ लाए ।

(6) **एहसान** (जुन) आँहज़रत सल्लम ने बनु तै के कैदियों को हातम ताई की तरफ़ मनसूब होने के कारण से आज़ाद कर दिया।

(7) **वफ़ा** (जुलाई) इस मास ''ग़ज़वा ज़ातुर्रिक़ा'' हुआ । जिसमें लम्बे सफ़र और सवारीयां कम होने के कारण सहाबा के पाँव छलनी हो गए । कुछ के पाँव के नाखुन तक झड़ गए । मगर सहाबा ने इस जंग में सच्चाई व वफा का बे नज़ीर नमूना दिखाया।

(8) **जहुर** (अगस्त) अल्लाह तआला ने जंगे मौता के द्वारा अरब से बाहर इस्लाम के ज़हुर अर्थात विजय की बुनियाद रखी ।

(9) **तबुक** (सितम्बर) ग़जवा तबुक हुआ ।

(10) **इख़ा** (अक्तूबर) रहमते दो आलम स.अ.व. ने मुहाजरीने मक्का और अन्सारे मदीना के बीच मुआख़ात अर्थात् भाई-बन्दी स्थापित की ।

(11) **नबुव्वत** (नवम्बर) इस मास अल्लाह तआला ने सय्यदना हज़रत मुहम्मद सल्लम को मनसबे नबुव्वत पर सरफ़राज़ फ़रमाया।
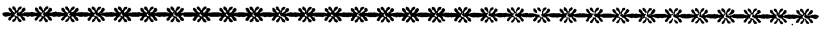
(12) फ़तह (दिसम्बर) मक्का फ़तह (विजय) हुआ । जिसमें आपने आम मुआफ़ी का ऐलान फ़रमाया ।

प्रश्न 18. अगर सन ईस्वी पता हो तो सन हिजरी शमसी किस तरह मालूम किया जा सकता है ?

उत्तर:- सन् ईस्वी में से 621 की संख्या निकाल दिया जाए सन् हिजरी शमसी निकल आता है । उदाहरणतय 1998 ई. का सन् हिजरी शमसी 1377 होगा ।

प्रश्न 19. मस्जिद अकसा कादियान में पहली बार लाऊड स्पीकर के द्वारा हुज़ूर ने कब खुतबा जुमा इरशाद फ़रमाया ?

उत्तर:- 7 जनवरी 1938 में ।

प्रश्न 20. जमाते अहमदीया के 50 साल और हज़रत खलीफतुल मसीह सानी दूसरे खलीफ़ा की ख़िलाफ़त पर 25 साल पूरे होने पर जुबली कब मनाई गई ?

उत्तर:- 1939 ई. में ।

प्रश्न 21. लिवाए अहमदिय्यत (अहमदिय्यत का झण्डा) पहली बार कब फ़जा में लहराया गया ?

उत्तर:- हज़रत मुस्लेह मौऊद ने 28 दिसम्बर 1939 ई. को ख़िलाफ़त जुबली के अवसर पर अहमदिय्यत का झण्डा पहली बार लहराया । झण्डे के कपड़े की कपास हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम के एक सहाबी ने बोई । फसल को पानी दिया और चुना । फिर एक सहाबी ने उसे धुना और सहाबियों ने सूत काता इस सूत से सहाबा ने कपड़ा बुना । झण्डे के कपड़े का रंग काला । लंबाई 18 फिट, और चौड़ाई 9 फिट थी । बीच में सफ़ेद रंग का मिनारतुल मसीह एक तरफ़ बदर (चौधवीं रात का चांद) और दूसरी तरफ पहली रात का चाँद बनाया गया । जिस में छः कोनो वाला सितारा मौजूद है ।

प्रश्न 22. लिवाए खुद्दामुल अहमदीया कब लहराया गया ? इसके विषय में आप क्या बता सकते हैं ?

※※※※※※※※※※※※※※※※※※※※※※※※※※※※※※
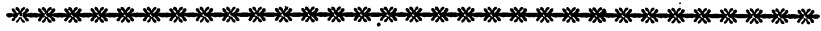
उत्तर:- हज़रत मुस्लेह मौऊद ने 28 दिसम्बर 1939 ई. को अहमदिय्यत का झण्डा लहराने के पश्चात् पहली बार झण्डा खुद्दामुल अहमदीय्या को भी अपने मुबारक हाथों से चढ़ाया । झण्डा 18 फुट लम्बा और 9 फुट चौड़ा था । एक तिहाई भाग पर अहमदिय्यत के झण्डे के निशान थे । शेष भाग 13 काले व सफेद धारीयों पर बना था ।

प्रश्न 23. हज़रत मुस्लेह मौऊद ने कादियान से पाकिस्तान की तरफ़ कब हिजरत की ?

उत्तर:- 31 अगस्त 1947 ई. को ।

प्रश्न 24. पाकिस्तान में जमाअत-ए-अहमदिय्या का पहला सालाना जलसा कब और कहां हुआ ?

उत्तर:- 27-28 दिसम्बर 1947 ई. स्थान लाहौर में पहला जलसा सालाना हुआ ।

प्रश्न 25. रब्वा की नींव किसने और कब रखी ?

उत्तर:- हज़रत ख़लीफ़तुल मसीह सानी ने अपने एक कश्फ़ (ख़्वाब) के अनुसार और हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम की भविष्यवाणी "दाग़े हिजरत" को पूरा करते हुए इसकी नींव 20 सितम्बर 1948 ई. को रखी ।

प्रश्न 26. रबुवा में पहला जलसा सालाना कब उदघाटन हुआ ?

उत्तर:- 15-16-17 अप्रैल 1949 ई. को ।

प्रश्न 27. रबुवा में निम्नलिखित केन्द्रीय दफ्तरों का नींव पत्थर कब और किसने रखा ? कसरे खिलाफत, दफातर सदर अंजुमन अहमदीय्या, दफ़ातर तहरीके जदीद, दफ़तर लजना इमाइल्ला ।

उत्तर:- 31 मई 1950 ई. को हज़रत मुस्लेह मौऊद ने ।

प्रश्न 28. पाकिस्तान में जमाअते अहमदिय्या के विरोध आंदोलन के दौरान हज़रत साहिबज़ादा मिर्ज़ा शरीफ़ अहमद साहिब और हज़रत साहिबज़ादा मिर्ज़ा नासिर अहमद साहिब को कब गिरफ़्तार किया गया ?

उत्तर:- 1 अप्रैल 1953 ई. को ।

प्रश्न 29. हज़रत मुस्लेह मौऊद पर किस व्यक्ति ने और कब कातिलाना हमला किया ?

उत्तर:- मस्जिद मुबारक रबुवा में 10 मार्च 1954 ई. को बाद नमाज़ असर एक व्यक्ति अब्दुल हमीद ने किया ।

प्रश्न 30. हुज़ूर दूसरे दौरा युरोप के सिलसिला में कब कराची से यात्रा के लिए गए ?

उत्तर:- 29 अप्रैल 1955 ई. को ।

प्रश्न 31. हज़रत मुस्लेह मौऊद के द्वारा किए गए कुछ आवश्यक कार्यों के नाम बतायें ?

उत्तर:- तहरीके जदीद, वकफ़े जदीद, वकफ़े ज़िन्दगी की तहरीक, हिफ़ज़ कुर्आन की तहरीक, मजलिसे अन्सारुल्लाह, मजिलसे खुद्दामुल अहमदिय्या, अतफालुल अहमदिय्या, लजना इमाअ-इल्लाह, नासरातुल अहमदिय्या की स्थापना ।

प्रश्न 32. तहरीके जदीद कब शुरू हुई और इस के कुल कितने मुतालबे हैं।

उत्तर:- 1934 ई. में । इस के कुल 27 मुतालिबे हैं । मसलन् : सादा जीवन, वकफ़े ज़िन्दगी, वकारे अमल आदि ।

प्रश्न 33. तहरीके जदीद के पहले साल हज़रत मुस्लेह मौऊद ने कितनी राशि की मांग की और जमाअत ने कितनी राशि अदा की ?

उत्तर:- माँग 27000 रु. की थी । जमाअत ने एक लाख चार हज़ार के वादे किए और नकद भुगतान 35000 रुपये कर दिया ।

प्रश्न 34. तहरीके जदीद के दूसरे दफ़तर की नींव कब रखी गई ?

उत्तर:- 24 नवम्बर 1944 ई. को ।

प्रश्न 35. तहरीके जदीद के तीसरे दफ़तर का आरम्भ कब और किसने किया ?

उत्तर:- 22 अप्रैल 1966 ई. को हज़रत खलीफतुल मसीह सालिस (तीसरे खलीफ़ा) ने तीसरे दफ़्तर का एलान फ़रमाया । और फ़रमाया कि ये दफ़तर 1 नवम्बर 1965 ई. से जारी शुदा समझा जाए ताकि हज़रत मुस्लेह मौऊद के दौर की तरफ मन्सूब हो ।
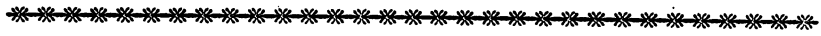
प्रश्न 36. वकफ़े ज़दीद की नींव कब पड़ी ? और उसकी सारी दुनिया तक फैलाव की घोषणा कब हुई ?

उत्तर:- दिसम्बर 1957 ई. को हज़रत मुस्लेह मौऊद ने वक़फ़े जदीद को जारी किया । उसके द्वारा देश के अन्दरूनी भाग मुअल्लमीन मार्ग दर्शन का काम कर रहे हैं । दिसम्बर 1985 ई. को हज़रत खलीफतुल मसीह राबे अय्यदो हुल्लाहो तआला ने इस काम को सारी दुनिया तक फैलाने की घोषणा की ।

प्रश्न 37. लजना इमाइल्लाह का संक्षिप्त में वर्णन करें ?

उत्तर:- सय्यदना हज़रत खलीफ़तुल मसीह सानी ने 15 दिसम्बर 1922ई. को इस शाखा का प्रारम्भ किया । हज़रत सय्यदा नुसरत जहाँ बेग़म साहिबा की सेवा में सदस्य लजना इमाइल्ला ने अध्यक्षता के लिए दरखास्त की । पहला जलसा आपकी प्रधानगी में शुरू हुआ । मगर इजलास के बीच आपने हज़रत सय्यदा उम्मे नासीर (हरम (पत्नी) हज़रत खलीफ़तुल् मसीह सानी) को सदर मनोनीत फ़रमाया जो लगभग 1940-1941 ई. तक सदर रहीं ।

प्रश्न 38. खुद्दामुल अहमदीय्या की संक्षेप तारीख बताएँ ।

उत्तर:- 31 जनवरी 1938 ई. को बइजाज़त हज़रत मुस्लेह मौऊद धार्मिक दिलचस्पी रखने वाले नौजवानों के द्वारा एक नई शाखा की स्थापना की गई जिसका नाम हज़रत मुस्लेह मौऊद ने 4 फ़रवरी 1938 ई. को मजलिस खुद्दामुल अहमदिय्या रखा । इस मजलिस के सदस्य 15 से 40 साल की उम्र के युवक होते हैं । पहले साल के लिए सदर मुकर्रम मौलवी कमरुदीन साहिब फ़ाज़िल चुने गए । 26 जुलाई 1940 से हज़रत मुस्लेह मौऊद ने खुद्दामुल अहमदिय्या को अपने साथ अत्फ़ालुल् अहमदिय्या को भी संगठित करने का आदेश दिया ।

(नोट :- 1989-90 से हज़रत ख़लीफ़तुल मसीह राबे ने केन्द्रीय अध्यक्षता को समाप्त करके हर देश में अलग-अलग शाखाओं के अध्यक्षों का निज़ाम जारी किया है) ।
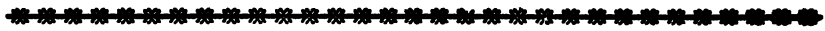
प्रश्न 39. मजलिस अनसारुल्लाह की स्थापना कब हुई ?

उत्तर:- सैय्यदना हज़रत खलीफ़तुल मसीह सानी ने 26 जुलाई 1940 को 40 साल से बड़ी उम्र के जमाअत के लिए शाखा अनसारुल्लाह के नाम से स्थापति किया उसके पहले सदर हज़रत मौलाना शेर अली साहिब थे ।

(नोट:- 1989-90 से हज़रत खलीफ़ातुल मसीह राबे अय्यद हुल्लाहो तआला ने केन्द्रीय अध्यक्षता को समाप्त कर के हर देश में अलग-अलग शाखाओं के सदर का प्रबन्ध किया) ।

प्रश्न 40. दरवेशी युग कब आरम्भ हुआ ?

उत्तर:- बटवारे के पश्चात क़ादियान में पवित्र स्थानों की रक्षा के लिए 313 अहमदी रह गए थे जो हर प्रकार की क़ुर्बानी दे कर क़ादियान में रहे 16 नवम्बर 1947 ई. को क़ादियान से आख़री काफ़िला की रवानगी के बाद दरवेशी युग का आरम्भ हुआ।

प्रश्न 41. देश विभाजन के पश्चात् कादियान के उमारा (अमीरों) के नाम लिखें ।

उत्तर:- (1) हज़रत मौलवी अबदुररहमान साहिब जट ।

(2) हज़रत साहिबज़ादा मिर्ज़ा वसीम अहमद साहिब ।

नोट:- कुछ समय के लिए मुहतरम मलक सलाहुद्दीन साहिब भी अमीर रहे ।

प्रश्न 42. तालीमुल इस्लाम हाई स्कूल का दोबारा कब आरम्भ हुआ ?

उत्तर:- 16 फ़रवरी 1949 ई. को ।

प्रश्न 43. साप्ताहिक बदर का दोबारा कब आरम्भ हुआ ?

उत्तर:- 20 दिसम्बर 1952 ई. को ।

प्रश्न 44. नुसरत गर्लज़ हाई स्कूल क़ादियान का दोबारा आरम्भ कब हुआ ?

उत्तर:- 15 अप्रैल 1953 ई. को ।

प्रश्न 45. जामिआ अहमदिय्या क़ादियान देश विभाजन के पश्चात कब आरम्भ हुआ ?

उत्तर:- 1 अप्रैल 1954 ई. को ।

प्रश्न 46. मस्जिद अहमदिय्या कलकत्ता की नींव कब रखी गई ?

उत्तर:- 19 सितम्बर 1962 ई. को ।

प्रश्न 47. भारत के पहले सदर मज्लिस ख़ुद्दामुल अहमदिय्या कौन थे ? और कब नियुक्त हुए ?

उत्तर:- मुहतरम साहिबज़ादा मिर्ज़ा वसीम अहमद साहिब । आप सितम्बर 1961 ई. को सदर नियुक्त हुए ।

प्रश्न 48. देश विभाजन के पश्चात मज्लिस अनसारुल्लाह भारत के पहले सदर कौन थे ? और कब नियुक्त किए गए ?

उत्तर:- पहले सदर मुकररम कुरैशी अताउररहमान साहिब थे । आप की नियुक्ति 20 जून 1964 ई. को हुई ।

जमाअत-ए-अहमदिय्या के तृतीय उतराधिकारी (ख़लीफ़ा) का युग

प्रश्न 1. तीसरे ख़लीफा का चुनाव कब हुआ ? और कौन खलीफा बने ?

उत्तर:- 9 नवम्बर 1965 ई. को चुनाव हुआ और सय्यदना हज़रत हाफ़िज़ साहिबज़ादा मिर्ज़ा नासिर अहमद साहिब खलीफ़ा चुने गए ।

प्रश्न 2. हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम को आपके बारे में अल्लाह तआला ने क्या बशारत दी थी ?

उत्तर:- इलहाम हुआ था:- إِنَّا نُبَشِّرُكَ بِغُلَامٍ نَافِلَةً لَّكَ

"इन्ना नुबश्शेरोका बेगुलामिन् नाफ़ेलतल् लका" (हकीकतुल वही, पृ. 95) अर्थात्:- हम एक लड़के की तुझे खुश ख़बरी देते हैं जो तेरा पोता होगा ।

प्रश्न 3. हज़रत खलीफ़तुल मसीह सालिस का जन्म और मृत्यु दिन बतायें ?

उत्तर:- आपका जन्म दिन 16 नवम्बर 1909 स्थान कादियान और आप का देहान्त 8-9 जून 1982 की मध्य रात्रि को इस्लामाबाद

(पाकिस्तान) में हुआ ।

प्रश्न 4. हज़रत खलीफ़तुल मसीह सालिस ने कब कुर्आन करीम को पूरा याद दिया ?

उत्तर:- 17 अप्रैल 1922 ई. को जबकि आपकी आयु केवल 13 साल की थी। (नोट:- पहले खलीफ़ा ने भी क़ुरआन करीम हिफ़ज़ (याद) किया हुआ था) ।

प्रश्न 5. हज़रत खलीफ़ातुल मसीह सालिस खिलाफ़त से पहले जमाअत के कौन-कौन से कार्यालयों के अध्यक्ष रहे ?

उत्तर:- 1939 ई. से 1944 ई. प्रिंसिपल जामिआ अहमदिय्या कादियान।

1939 ई. से 1949 ई. केन्द्रीय मुख्य अध्यक्ष मजलिस खुद्दामुल अहमदिय्या ।

1944 ई. से 1965 ई. प्रिंसीपल तालीमुल इस्लाम कॉलेज कादियान, लाहौर और रब्वाह ।

1954 ई. से 1968 ई. केन्द्रीय मुख्य अध्यक्ष मजलिस अन्सारुल्लाह।

1955 ई. से 1965 ई. सदर, सदर अंजुमन अहमदिय्या।

प्रश्न 6. खिलाफ़ते सालसा (तीसरी खिलाफत) की पहली माली तहरीक (वित्तय नीति) कौन सी थी ? और कितना चन्दा देने की मांग की गई थी ?

उत्तर:- पहली वित्तय नीति (माली तहरीक) फ़ज़ले उमर फाऊंडेशन की थी और तीन साल के अन्दर 25 लाख रुपये की मांग थी। इसका उद्देश्य हज़रत फज़ले उमर खलीफ़ातुल मसीह सानी की यादगार के तौर पर आप के उद्देश्य को जारी रखना था ।

प्रश्न 7. किस देश के नेता अहमदी हुए और किए भविष्यवाणी का एक गवाह बने ?

उत्तर:- पश्चिमी अफ्रीका के देश गेम्बीया के गवरनर जनरल अलहाज सर एफ़. एम. सिंघाटे ने (जो 1963 ई. में अहमदी हुए और 1965 ई. में गर्वनर जनरल बने) हज़रत खलीफातुल मसीह सालिस से
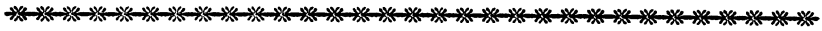
बरकत की ख़ातिर हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम के कपड़े का निवेदन किया इस तरह वह ''बादशाह तेरे कपड़ों से बरकत ढूढेंगे'' की भविष्यवाणी के पहले गवाह बनें ।

प्रश्न 8. आपने अहमदी नौजवानों के लिए क्या माटो नियुक्त फ़रमाया है ?

उत्तर:- हज़रत मसीह मौऊद का इलहाम ''तेरी आजीज़ाना राहें उसको पसन्द आईं'' ।

प्रश्न 9. हज़रत खलीफ़तुल मसीह सालिस का कोई इलहाम लिखिए ?

उत्तर:- ''बुशरालकुम्'' ।

प्रश्न 10. कोई ऐसा इलहाम बताएँ जो हज़रत मसीह मौऊद, हज़रत मुस्लेह मौऊद (फ़ज़ले उमर) और हज़रत खलीफ़तुल मसीह सालिस तीनों को हुआ हो ?

उत्तर:- يَا دَاوُدُ اِنَّا جَعَلْنٰكَ خَلِيْفَةً فِى الْاَرْضِ

''या दाऊदो इन्ना जअलनाका खलीफ़तन् फ़िल् अरजे'' । (अर्थात् हे दाऊद हमने तुझे ज़मीन में अपना उत्तराधिकारी बनाया है ।)

प्रश्न 11. वकफ़े जदीद दफ़तर अत्फाल् की स्थापना कब हुई ?

उत्तर:- 17 अक्तूबर 1966 ई. को हज़रत खलीफ़तुल मसीह सालिस ने अहमदी बच्चों से 50 हज़ार रुपया जमा करने की इच्छा व्यक्त किया ।

प्रश्न 12. मस्जिद अक्सा रब्वाह का संगे बुनियाद और इफ़तेताह कब हुआ ?

उत्तर:- मस्जिद अक्सा का नींव पत्थर 28 अक्तूबर 1966 ई. को और उदघाटन 31 मार्च 1972 ई. को किया ।

प्रश्न 13. खिलाफ़त लाइब्रेरी रबुवा की इमारत का संगे बुनियाद और इफ़तेताह किस ने और कब किया ?

उत्तर:- हज़रत खलीफतुल मसीह सालिस ने लाइब्रेरी रब्वाह का नींव पत्थर 18 जनवरी 1970 ई. को रखा और उदघाटन 3 अक्तूबर 1971 ई. को ।

प्रश्न 14. 1970 ई. के दौरा अफ्रीका के दौरान हुज़ूर ने किन-किन देशों के लीडरों से भेंट की ?

उत्तर:- नाईजेरिया के राष्ट्रपति याकुबो गोवन, राष्ट्रपति गाना, राष्ट्रपति लाईबेरिया टबमैन्, राष्ट्रपति गेम्बीया दाऊदा अजवार, प्रधान मन्त्री सैरालयून ।

प्रश्न 15. अफ्रीका के देशों के लिए नुसरत जहाँ स्कीम का आरम्भ कब हुआ?'

उत्तर:- 24 मई 1970 ई. को मस्जिद लंदन में हज़रत खलीफ़तुल मसीह सालिस ने नुसरत जहां स्कीम की घोषणा की जबकि 12 जून को रब्वाह में नुसरत जहाँ रिज़र्व फण्ड नीति का प्रारम्भ किया ।

प्रश्न 16. खुद्दामुल अहमदिय्या के रूमाल (स्कारफ़) का नमूना कब और किसने नियुक्त किया ?

उत्तर:- मरकज़ी सालाना इजतेमा के अवसर पर 5 अक्तूबर 1972 ई. को हज़रत खलीफ़ातुल मसीह सालिस ने किया ।

प्रश्न 17. हज़ूर ने सौ साला जुबली मनसुबा का एलान कब फ़रमाया ?

उत्तर:- 28 दिसम्बर 1973 ई. को जलसा सालाना के मौका पर फ़रमाया और सौ साला जुबली की दुआओं पर मुशतमिल रूहानी मनसुबा का एलान 8 फरवरी 1974 ई. को किया ।

प्रश्न 18. 1974 ई. में पाकिस्तान की कौमी असैम्बली में जमाअते अहमदिय्या की अध्यक्षता में जो प्रतिनिधि मंडल पेश हुआ उसके मेम्बरों के नाम बताएँ ।

उत्तर:- हज़रत खलीफ़ातुल मसीह सालिस रह., हज़रत साहिबज़ादा मिर्ज़ा ताहिर अहमद साहिब, मोहतरम शेख मुहम्मद अहमद साहिब मज़हर, मोहतरम मौलाना अबुल् अता साहिब, मोहतरम मौलाना दोस्त मुहम्मद साहिब शाहिद ।

प्रश्न 19. कौमी असैम्बली 1974 ई. में जमाअते अहमदिय्या के प्रतिनिधि मंडल पर कितने दिनों तक बात चीत जारी रही ?

उत्तर:- दो दिन तक हज़रत खलीफतुल मसीह सालिस ने महज़र नामा पढ़ा जिसके बाद ग्याराह दिन तक सवाल व जवाब का सिलसिला

चलता रहा 22-23 जुलाई 5 से 10 अगस्त और 20 से 24 अगस्त।

प्रश्न 20. 1974 ई. में जमाअते अहमदिय्या को गैर मुस्लिम अल्प सख्यिक करार देने वाली कौमी असम्बली के संसदीय नेता और पूर्व प्रधान मन्त्री ज़ुल्फकार अली भुट्टो को कब और कहां फांसी दी गई ?

उत्तर:- 4 अप्रैल 1979 ई. को सैंट्रल जेल रावलपिण्डी (पाकिस्तान) में।

प्रश्न 21. ऐतिहासिक ''कसरे सलीब कॉन्फ्रेन्स'' कब और कहां आयोजित हुई ?

उत्तर:- 2-3-4 जून 1978 ई. को लन्दन में हुई । हज़रत खलीफ़ातुल मसीह सालिस खुद शामिल हुए । और 4 जून को अन्तिम भाषण दिया ।

प्रश्न 22. अत्फ़ालुल अहमदीया के मिअयारे कबीर (बड़ी उमर के बच्चों का ग्रुप) की स्थापना कब हुई ?

उत्तर:- 1980 ई. में । इस मिअयार में 13 साल तक के बच्चे शामिल हैं। जबकि मिअयारे सगीर (छोटा मिअयार) में 7 से 12 साल तक के बच्चे शामिल हैं ।

प्रश्न 23. 1980 ई. के सालाना इजतेमा खुद्दामुल अहमदीया मरकज़ीया को क्या विशेषता हासिल है ?

उत्तर:- ये इजतेमा चौधवीं और पंदरवीं सदी के संगम पर आयोजित हुआ और उसके तीनों दिन हज़रत खलीफ़तुल मसीह सालिस ने वलवला अंगेज़ भाषण दिया ।

प्रश्न 24. ''मस्जिद बशारत'' स्पेन के बारे में आप क्या जानते हैं ?

उत्तर:- ये स्पेन में लगभग सात सौ साल बाद बनने वाली पहली मस्जिद है । जिस को बनाने की खुश नसीबी जमाअत-ए-अहमदिय्या के हिस्से में आई । इसका नींव पत्थर हज़रत खलीफातुल् मसीह सालिस ने 9 अक्तूबर 1980 ई. को रखा । और हज़रत खलीफातुल् मसीह राबे अय्यद हुल्लाहो तआला ने 10 सितम्बर 1982 ई. को इसका उदघाटन किया ।

प्रश्न 25. ''सिताराह अहमदीय्यत्'' के बारे में आप क्या जानते हैं ?

उत्तर:- हज़रत खलीफ़ातुल मसीह सालिस ने जलसा सालाना 1981 के अवसर पर जमाअते अहमदिय्या को उन बुर्ज़ग लोगों के निशान के तौर पर जो पैदा हुए और कयामत तक पैदा होते रहेंगे। ''सिताराह अहमदिय्यत'' अता फरमाया । इस सितारे के 14 कोने हैं, हर कोने पर अल्लाहो अकबर और बीच में ला इलाहा इल्लल्लाह लिखा हुआ है ।

प्रश्न 26. हज़रत खलीफ़तुल मसीह सालिस की ज़ोजा मोहतरमा (पत्नी) हज़रत सैय्यदा मन्सूरा बेग़म साहिबा का देहान्त कब हुआ ?

उत्तर:- 3 दिसम्बर 1981 ई. को ।

प्रश्न 27. आपने दूसरी शादी कब और किससे की ?

उत्तर:- अप्रैल 1982 ई. को हज़रत सैय्यदा ताहिरा सिद्दीका साहिबा से।

प्रश्न 28. आपकी किताबों में से कुछ एक के नाम बताएँ ।

उत्तर:- कुर्आनी अनवार, तामीरे बैतुल्लाह के 23 अज़ीमुश्शान मकासद, एक सच्चे और हकीकी खादिम के 12 औसाफ़, हमारे अकाएद, अल्मसाबीह, जलसा सालाना की दुआएँ, अमन का पैग़ाम, और एक हरफ़ इन्तबाह ।

प्रश्न 29. खिलाफ़ते सालसा के के द्वारा किए गए कुछ महत्वपूर्ण तहरीकों के नाम बताएँ ?

उत्तर:- फज़ले उमर फाऊंडेशन की तहरीक, वक़्फ़े आरज़ी की तहरीक, नुसरत जहाँ आगे बढ़ो स्कीम, सद्साला अहमदिय्या जुबली की तहरीक, अहमदिय्या तालीमी मन्सूबा की तहरीक, तालीमुल् कुरआन की तहरीक, रिटाएरमैंट के पश्चात् वक़्फ़ ।

प्रश्न 30. अहमदीया तालीमी नीति क्या थी ?

उत्तर:- 28 अक्तूबर 1979 ई. को हुज़ूर ने ये तहरीक फरमाई कि हर अहमदी लड़का कम से कम मैट्रिक और हर अहमदी लड़की कम से कम मिडल तक ज़रूर शिक्षा प्राप्त करे और यह घोषणा की कि बोर्ड और युनिवरसीटी में फस्ट, सैकण्ड और थर्ड आने वालों

को इनाम में तम्गे दिये जाएंगे । मैडल देने का पहला आयोजन 13 जून 1980 ई. को हुआ ।

प्रश्न 31. हज़रत खलीफ़तुल मसीह सालिस ने विदेशों के दौरे किस-किस साल फरमाए ?

उत्तर:- 1967 ई. में बर्तानिया, जर्मनी, स्विटज़रलैण्ड, हालैंड, डेनमार्क, (इस दौरा में मस्जिद नुसरत जहाँ कोपन हैगन का उदघाटन किया। 1970 ई. में इंगलिस्तान और दक्षिण अफ्रीका का दौरा किया गाना, सीरालियून, नाईजेरिया, आइवरीकोस्ट, लाइबेरिया, गेम्बीया आदि । 1973 ई. में जर्मनी, स्विटज़रलैण्ड, हालैंड, डैनमार्क, स्वीडन, बर्तानिया । 1975 ई. में इंगलिस्तान, स्वीडन, नारवे, (गोटन बर्ग, स्वीडन में मस्जिद नासिर का नींव पत्थर रखा। 1976 ई. में युरोप के निम्न लिखित देशों के अतिरिक्त अफ्रीका और कनैडा का भी दौरा फरमाया, बर्तानिया, स्वीडन, नारवे, डैनमार्क, जर्मनी, स्विटज़रलैण्ड, हॉलैंड । 1978 ई. में दौरा युरोप में कानफ्रैंस कसरे सलीब में शामिल होने के लिए गए । 1980 ई. में यूरोप का काफी भाग अमेरिका, आस्ट्रेलिया और अफ्रीका के 13 देशों का दौरा फ़रमाया ।

प्रश्न 32. मस्जिद अहमदिय्या सिरीनगर का निर्माण कब हुआ ?

उत्तर:- 15 जूलाई 1977 ई. को ।

प्रश्न 33. क़ादियान में नुसरत गर्लज़ कालेज कब आरम्भ हुआ ?

उत्तर:- 1 अक्तूबर 1978 ई. को ।

प्रश्न 34. मज्लिस ख़ुद्दामुल अहमदिय्या भारत के दफ़तर ''ऐवाने ख़िदमत'' की नींव कब रखी गई ?

उत्तर:- 26 सितम्बर 1981 ई. को ।

हज़रत खलीफ़तुल मसीह राबेह (चतुर्थ) का युग

प्रश्न 1. चौथे खलीफ़ा का चुनाव कब हुआ और कौन खलीफा बने ?

उत्तर:- 10 जून 1982 ई. बाद नमाज़ ज़ोहर मसजिद मुबारक रब्वाह में हुआ । और हज़रत साहिबज़ादा मिर्ज़ा ताहिर अहमद साहिब अय्यदहुल्लाह खलीफ़ा चुने गए ।

प्रश्न 2. हज़ूर अय्यदोहुल्लाहो तआला का जन्म कब और कहां हुआ ? और आप के पिता और माता का नाम बताएँ ।

उत्तर:- 18 दिसम्बर 1928 ई. को आप के पिता जी का नाम साहिबज़ादा मिर्ज़ा बशीरुद्दीन महमूद अहमद साहिब ख़लीफ़तुल मसीह सानी है। और माता जी का नाम हज़रत सैय्यदाह मरियम बेगम है ।

प्रश्न 3. हुज़ूर ने जमाअत के नाम अपना पहला लिखति सन्देश कब और किस उद्देश्य से दिया ?

उत्तर:- 13 जून 1982 ई. को पहला लिखति सन्देश दिया जिसमें फ़िलिस्तीन के निर्दोष मुसलमानों के लिए दुआ की तहरीक फरमाई ।

प्रश्न 4. हुज़ूर पहले दौरा युरोप पर कब तशरीफ़ ले गए और किन-किन देशों का दौरा फ़रमाया ?

उत्तर:- 28 जुलाई 1982 ई. को रवाना हुए और नारवे, स्वीडैन, डैनमार्क पश्चिमी जर्मनी, आस्ट्रेलिया, स्विटज़रलैण्ड, फ्रांस, लकसमबर्ग, हॉलैंड, स्पेन, बर्तानिया और स्कॉट लैंड तशरीफ़ ले गए । इसी दौरान 10 सितम्बर 1982 ई. को 700 साल बाद बनने वाली मस्जिद बशारत पैदूराबाद स्पेन का उदघाटन किया ।

प्रश्न 5. अमेरीका में जमाअते अहमदिय्या के पहले शहीद का नाम और शहीदी का दिन बताएँ ?

उत्तर:- 8 अगस्त 1983 ई. को डेट्राइट अमेरिका में मुकर्रम डाक्टर
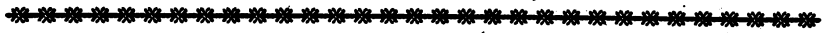
मुज़फ़्फ़र अहमद को गोली मार कर शहीद कर दिया गया ।

प्रश्न 6. हुज़ूर ने पहला दौरा पूर्वी देशों व ऑस्ट्रेलिया कब किया ?

उत्तरः- 22 अगस्त 1983 ई. से 13 अक्तूबर 1983 ई तक ।

प्रश्न 7. पाकिस्तान के राष्ट्रपति ज़ियाउल हक़ ने एन्टी अहमदिय्या आरडीनैन्स (अहमदिया मुखालिफ़ कानून) कब जारी किया ?

उत्तरः- 26 अप्रैल 1984 ई. को जिसके द्वारा पाकिस्तान में अहमदिय्यों पर कुछ इस्लामी इसतेलाहात (परिभाषायें) प्रयोग करने और प्रचार करने पर पाबन्दी लगा दी ।

प्रश्न 8. हुज़ूर अय्यद हुल्लाहो तआला ने कब और क्यों रब्वाह से लंदन हिजरत (स्थानन्तरण) की ?

उत्तरः- 1984 ई. के ऐन्टी अहमदिय्या आरडीनैन्स के कारण हज़रत इमाम जमाअत अहमदिय्या पाकिस्तान में अपने कर्तव्य ठीक ढंग से अदा नहीं कर सकते थे । इसलिए आपने 29 अप्रैल 1984 ई. को हिजरत फरमाई ।

प्रश्न 9. हिजरत से पहले रब्वाह में हुज़ूर ने आखरी ख़िताब कब फरमाया ?

उत्तरः- 28 अप्रैल 1984 ई. को नमाज़े इशा के बाद मस्जिद मुबारक रब्वाह में ।

प्रश्न 10. हुज़ूर ने पाकिस्तानी हुकूमत की तरफ़ से छपने वाले White Paper (वाइट पेपर) के सम्बन्ध में ख़ुतबों का सिलसिला कब शुरू किया ?

उत्तरः- 20 जुलाई 1984 ई. से ये सिलसिला 17 मई 1985 ई. तक जारी रहा । इसके बाद किताबी शक्ल में "ज़हकल् बातिलो" के नाम से प्रकाशित हुआ ।

प्रश्न 11. किस अन्तराश्ट्रीय संगठन ने एन्टी अहमदिय्या आरडीनैन्स को इन्सानी अधिकारों का विरोधी माना ?

उत्तरः- संयुक्त राष्ट्र ने 29 अप्रैल 1986 ई. को ।

प्रश्न 12. 1984 ई. के एन्टी अहमदिय्या आरडीनैन्स के जारी करने वाले

जनरल ज़िया की मौत कब और कैसे हुई ?

उत्तर:- 17 अगस्त 1988 ई. को हवाई जहाज़ के क्रैश होने से ।

प्रश्न 13. रोज़नामा "अलफ़ज़ल" रब्वाह पर पाबन्दी कब हटाई गई ?

उत्तर:- 28 नवम्बर 1988 ई. को । ये पाबन्दी 12 दिसम्बर 1984 को लगाई गई थी । इसतरह 3 साल, 11 माह और 9 दिन के बाद अलफजल दुबारा जारी हुआ ।

प्रश्न 14. ऐसे अल्लाह के राह के कैदियों के नाम बताएँ जिन्हें मौत की सज़ा सुनाई गई थी ?

उत्तर:- मुकर्रम मुहम्मद इल्यास मुनीर साहिब, मुकर्रम राना नईमुद्दीन साहिब, मुकर्रम प्रोफेसर नासिर अहमद कुरैशी साहिब, मुकर्रम रफ़ी अहमद कुरैशी साहिब । (नोटः- सभी कैदी खुदा के फ़ज़ल से बाइज़्ज़त रिहा (छोड़ दिए) हो गए) ।

प्रश्न 15. संयुक्त राष्ट्र की जनरल असम्बली और अंतराष्ट्रीय नियायलय के पहले अहमदी सदर का नाम बताएँ ?

उत्तर:- हज़रत चौधरी मुहम्मद ज़फ़रुल्लाह खान साहिब, आप 1962-63 ई. तक सदर जनरल असम्बली संयुक्त राष्ट्र और 1970-73 ई. तक अंतराष्ट्रीय नियायलय के प्रधान रहे । आपका देहान्त 1 सितम्बर 1985 ई. को हुआ ।

प्रश्न 16. इस्लामाबाद टिलफोर्ड इंग्लिस्तान और नासिर बाग जर्मनी के बारे में आप क्या जानते हैं ?

उत्तर:- 18 मई 1984 ई. को हज़ूर अय्यदो हुल्लाहो तआला ने बर्तानिया और जर्मनी में दो बड़े मिशन हाऊस बनाने की शुरूआत की । इस पर जर्मनी में नासिर बाग और इंग्लिस्तान में इस्लामाबाद बनाए गए । जहाँ इजतेमाअत और सालाना जलसे होते हैं ।

प्रश्न 17. अंतराष्ट्रीय स्तर का स्वीमिंग पुल रब्वाह में कब बनाया गया ?

उत्तर:- 31 जुलाई 1984 ई. को नींव पत्थर रखा गया और 10 सितम्बर 1988 को उसका उद्घाटन हुआ ।

प्रश्न 18. पहली अहमदी शहीद औरत का नाम बताएँ ?
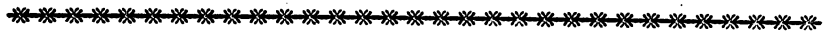
उत्तरः- मोहतरमा रूखसाना साहिबा । आपको 9 जून 1986 ई. के दिन मर्दान (पाकिस्तान) में शहीद किया गया ।

प्रश्न 19. इमाम जमाअत अहमदिय्या हज़रत खलीफ़तुल मसीह राबेह की तरफ से मुबाहला का दुनिया को चैलेन्ज कब दिया गया ?

उत्तरः- हुज़ूर अय्यद हुल्लाहो तआला ने 10 जून 1988 ई. को सभी दुनिया वालों को मुबाहला (एक दूसरे के हक़ में बददुआ करने) का चैलेन्ज दिया । हुज़ूर ने ये चैलेन्ज जनवरी 97 ई. में फिर दोहराया।

प्रश्न 20. अहमदीय्या शत वर्षीय जुबली (जश्ने तशक्कुर) कब मनाई गई ?

उत्तरः- जमाअते अहमदिय्या को स्थापित हुए सौ साल पूरे होने पर 1989 ई. का साल जश्ने तशक्कुर के तौर पर मनाया गया । दुनिया के अहमदिय्यों ने अल्लाह तआला के हज़ूर सजदे किए और असाधारण कुर्बानियां इबादतें कीं ।

प्रश्न 21. सौ साला जुबली के मौका पर पहली बार किन देशों ने अहमदिय्यत के यादगारी टिकट जारी किए ?

उत्तरः- सैरालियोन, गीआना ।

प्रश्न 22. पांच बुनियादी अख़लाक बताएँ ?

उत्तरः- (1) सच की आदत (2) नर्म ज़ुबान का इस्तेमाल (3) हौसला (4) दूसरे की तकलीफ़ का एहसास और उसे दूर करना (5) मज़बूत इरादा और हिम्मत ।

प्रश्न 23. अहमदिय्यत की दूसरी सदी के आरम्भ पर हज़रत इमाम जमाअत अहमदिय्या खलीफ़ातुल मसीह राबेह को कौनसी मुबारक आकाशवाणी हुई ?

उत्तरः- اَلسَّلَامُ عَلَيْكُمْ وَرَحْمَةُ اللّٰہ

"अस्सलामो अलैकुम् व रहमतुल्लाह" ।

प्रश्न 24. हज़रत खलीफ़तुल मसीह राबेह के जुम्मा के खुत्बे सीधे टैलीकास्ट होने का सिलसिला कब शुरू हुआ और कब परवान चढ़ा ?

उत्तरः- 24 मार्च 1989 ई. को पहली बार टैलीफोन सिस्टम के द्वारा सुना
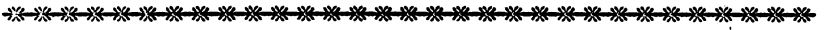
गया । फिर 31 जनवरी 1992 ई. को पहली बार हुज़ूर का खुतबा सैटेलाइट के द्वारा टैलीविज़न पर पूरे युरोप में सुना और देखा गया । फिर 21 अगस्त 1992 ई. से लगभग सारी दुनिया में हुज़ूर का खुतबा सीधा डिश एन्टीना के द्वारा देखा और सुना जा रहा है । ये दुनिया के इतिहास की सबसे अनोखी घटना है । इसके द्वारा बहुत सी पहले की भविष्यवाणियां सम्पूर्ण हुईं ।

प्रश्न 25. बटवारे के बाद पहली बार हज़रत इमाम जमाअत अहमदिय्या कादियान कब तशरीफ लाए ?

उत्तर:- कादियान के सौवें जलसा सालाना 1991 ई. में शामिल होने के लिए 19 दिसम्बर 1991 ई. को हज़ूर कादियान तशरीफ ले गए।

प्रश्न 26. हज़रत शेख मुहम्मद अहमद साहिब मज़हर (1894-1993 ई.) का बड़ा कारनामा क्या था ?

उत्तर:- हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम ने ये उसूल बताया था कि अरबी ज़ुबान "उम्मुल अलसिना" अर्थात ज़ुबानों की मां है । हज़रत शेख़ साहिब ने लगभग 50 भाषाओं पर छान बीन करके ये साबित किया कि वह दरअसल अरबी भाषा से लिए गए हैं ।

प्रश्न 27. हुज़ूर अय्यदो हुल्लाहो तआला ने छः महीनों के दिन वाली सरज़मीन में कब एतिहासिक खुतबा जुमआ और पांच नमाज़ें जमाअत के साथ पढ़ीं ? जो इतिहास की ऐसी घटना है जिसका उदहारण अब तक नहीं मिलता ?

उत्तर:- 24-25 जून 1993 ई. को नार्वे में उत्तरी ध्रुव की तरफ़ ज़मीन के आखरी किनारे पर हुज़ूर के खानदान के लोगों और दूसरे अहमदियों के साथ पाँचो नमाज़ें वक्त का हिसाब करके जमाअत के साथ पढ़ीं।

प्रश्न 28. अलफ़ज़ल इंटरनेश्नल का उदघाटन कब हुआ ?

उत्तर:- 30 जुलाई- 1993 ई. जलसा सालाना लंदन के अवसर पर साप्ताहिक "अलफ़ज़ल इंटरनेश्नल" का पहला नमुने का परचा प्रकाशित हुआ अखबार के ऐडीटर रशीद अहमद साहिब चौधरी

बने ।

प्रश्न 29. साप्ताहिक अलफज़ल इंटरनैशनल की छपने का काम कब शुरू हुआ और उसके अब ऐडीटर कौन हैं ?

उत्तर:- 7 जनवरी 1994 ई. को मौजुदा ऐडीटर मुकरम नसीर अहमद साहिब कमर हैं ।

प्रश्न 30. पहली एतिहासिक अंतराष्ट्रीय बैअत कब हुई और कितने देशों के कितने लोग बैअत करके अहमदिय्यत में दाखिल हुए ?

उत्तर:- 31 जुलाई 1993 ई. को जलसा सालाना लंदन के दूसरे दिन 84 देशों के 115 कौमों के दो लाख चार हज़ार तीन सौ आठ लोग सैटेलाइट के द्वारा हज़ूर अनवर अय्यदो हुल्लाह के हाथ पर बैअत करके जमाअते अहमदिय्या में शामिल हुए और सभी ने जमाअते अहमदिय्या ने नए सिरे से बैअत की। ये दुनिया की एक ऐतिहासिक अनूठी घटना है ।

प्रश्न 31. चौथी ख़िलाफ़त की महत्वपूर्ण कार्यों के नाम बताएँ ।

उत्तर:- बैतुल हमद स्कीम, वक्फ़े नौ की तहरीक, वक़्फ़े जदीद को सारी दुनिया तक फैलाने की तहरीक, सभी अहमदिय्यों को अरबी और उर्दू भाषा सीखने की तहरीक, शोहदाए अहमदिय्यत के लिए सैय्यदना बिलाल फण्ड की तहरीक ।

प्रश्न 32. तहरीके "वाकफिने नौ" के बारे में आप क्या जानते हैं ?

उत्तर:- पंदरहवीं सदी हिजरी में जमाअत की बढ़ती हुई आवश्यकताओं को ध्यान में रख कर हुज़ूर अय्यदो हुल्लाहो तआला ने 3 अप्रैल 1987 ई. को ये तहरीक फ़रमाई कि जमाअत आने वाले दो सालों में पैदा होने वाले बच्चे दीन की सेवा के लिए जमाअत के नाम वक़्फ़ कर दें। बाद में इस तहरीक को और दो सालों के लिए बढ़ा दिया गया । अब तक खुदा के फ़ज़ल से लगभग 16 हज़ार से ज़्यादा बच्चे जमाअत के नाम हो चुके हैं ।

प्रश्न 33. हज़रत खलीफ़ातुल मसीह राबेह की कुछ किताबों के नाम बताएँ ?

उत्तर:- ज़ौके इबादत और आदाबे दुआ, ज़हकल बातिल, सीरते फज़ले उमर, होमियोपैथी, मज़हब के नाम पर खून, वसाले इब्ने मरयम, खलीज का बोहरान (समस्या) और निजामे नौ, वरज़िश के ज़ीने, Islam Response To The Contemprary Issues, Christinity Revelation Rationality Knowledge And Truth, A Journy From Facts To Fiction.

प्रश्न 34. 1994 ई. में हज़रत खलीफ़तुल मसीह राबेह ने हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम की कौनसी इलहामी दुआ कसरत से पढ़ने के लिये फ़रमाया ?

उत्तर:- सभी फ़सादियों कट्टरवादियों के झगड़ों से बचनें के लिए हुज़ूर ने हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम की ये इलहामी दुआ कसरत से पढ़ने के लिए फ़रमाया :-

اَللّٰھُمَّ مَزِّقْھُمْ کُلَّ مُمَزَّقٍ وَّسَحِّقْھُمْ تَسْحِیْقًا

"अल्लाहुम्मा मज़्ज़िकहुम् कुल्ला मुमज़्ज़किन व सह्हीक हुम तसहीका ।" अर्थात् हे अल्लाह तू उनको टुकड़े टुकड़े कर दे और पीस कर रख दे ।

प्रश्न 35. किताब "ए मैन ऑफ ग़ॉड" के विषय में आप क्या जानते हैं ?

उत्तर:- ये किताब हज़रत खलीफ़तुल मसीह राबेअ की जीवनी से सम्बंधित है जो एक इसाई मिस्टर एडमिसन् ने लिखी है । इसका अनुवाद "एक मर्दे खुदा" के नाम से प्रकाशित हो चुका है ।

प्रश्न 36. एम.टी.ए. की सही ढंग से प्रसारण का प्रारम्भ कब हुआ ?

उत्तर:- 7 जनवरी 1994 ई. को ।

प्रश्न 37. युरोप और अमेरिका के लिए एम.टी.ए. इंटरनेशनल की 24 घंटे की प्रसारण का प्रारम्भ कब हुआ ?

उत्तर:- 1 अप्रैल 1996 ई. को ।
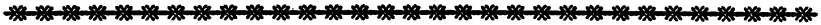
प्रश्न 38. एम.टी.ए. इन्टनेशनल की 24 घंटे टैलीकास्ट होने पर हुज़ूर अनवर ने ऐतिहासिक खुत्बा कब इरशाद फरमाया ?

उत्तर:- 5 अप्रैल 1996 ई. स्थान मस्जिद फ़ज़ल लंदन ।

प्रश्न 39. एम.टी.ए. के किन-किन प्रोग्रामों में विशेष तौर से हुज़ूरे अनवर अय्यदो हुल्लाहो तआला खुद शामिल होते हैं ?

उत्तर:- दरसुल क़ुर्आन, मुलाकात, लिका मअल अर्ब, होमियो पैथी क्लास, चिल्ड्रन कॉरनर, उर्दू क्लास ।

प्रश्न 40. एम.टी.ए. इंटरनेशनल ने अपनी प्रसारण ग्लोब बीम के द्वारा कब शुरू कीं ?

उत्तर:- 5 जुलाई 1996 ई. को भारतीय समय के अनुसार सुबह साढ़े चार बजे ।

प्रश्न 41. हुज़ूर ने किस मोहतरम खातून (औरत) की तरफ़ से जर्मनी में बनने वाली मस्जिद के लिए एक बड़ी रकम दान के तौर पर दी ?

उत्तर:- हज़रत सैय्यदा महर आपा साहिबा मरहूमा पत्नी हज़रत खलीफातुल मसीह सानी की ओर से ।

प्रश्न 42. मस्जिद अहमदिय्या दिल्ली की नींव कब रखी गई ?

उत्तर:- 16 जूलाई 1988 ई. को ।

प्रश्न 43. क़ादियान और भारत की जमाअतों में जमाअत अहमदिय्या का जुबली जशन कब और कैसे मनाया गया ?

उत्तर:- 23 मार्च 1989 ई. को नमाज़ तहज्जुद, और सदका के द्वारा यह जशन मनाया गया रात को पवित्र स्थानों पर दीप माला की गई अमन मार्च और जलसा आयोजित किया गया जिस में विदेश मंत्री भारत जनाब आर. अैल. भाटिया भी शामिल हुए ।

प्रश्न 44. कादियान में हज़रत मसीहे मौऊद अलैहिस्सलाम के लंगर खाना में रोटी पकाने की मशीन कब लगाई गई ?

उत्तर:- 25 मई 1991 ई. को ।

प्रश्न 45. क़ादियान में चार नए गैस्ट हाउसों की नींव कब रखी गई ?

उत्तर:- 3 जून 1991 ई. को ।

प्रश्न 46. सय्यदना हज़रत अमीरुल मोमिनीन ख़लीफ़तुल मसीह राबे (चौथे) क़ादियान कब आए और आप की मसरूफ़ियात क्या थीं ?

उत्तर:- हज़ूर 16 दिसम्बर 1991 ई. को भारत आए, 20 दिसम्बर को हज़ूर ने मस्जिद अक़सा क़ादियान में ख़ुतबा जुमा दिया 22 दिसम्बर 1991 ई. को पहली मजलिसे इरफ़ान हुई । 26 से 28 दिसम्बर 1991 ई. को हज़ूर क़ादियान के सौवें जलसा सालाना में शामिल हुए और अपने खिताबों से नवाज़ा । 27 दिसम्बर को हज़ूर ने 13 अख़बारी नुमाइन्दों को इन्टरवियू दिए । 15 जनवरी 1992 को हज़ूर पूर्व विदेश मंत्री और प्रधान मंत्री श्री इंद्र कुमार गुजराल के निमनत्रण पर उन के घर तशरीफ़ ले गए । 16 जनवरी 1992 ई. को हज़ूर दिल्ली ऐयर पोर्ट से लंदन तशरीफ़ ले गए ।

प्रश्न 47. महाराष्ट्र के भूकम्प के अवसर पर जमाअत ने क्या खिदमत की ?

उत्तर:- जमाअत ने प्रधान मंत्री रिलीफ़ फ़ण्ड को दो लाख रू. का दान दिया ।

प्रश्न 48. हज़रत सय्यदा उम्मे ताहिर के मकान का दोबारा निर्माण कब हुआ ?

उत्तर:- 6 फ़रवरी 1994 ई. को ।

प्रश्न 49. क़ादियान में स्वतंत्र दिवस की गोलडन जुबली कब और कैसे मनाई गई?

उत्तर:- क़ादियान में स्वतंत्र दिवस की पचासवीं वर्ष गांठ 15 अगस्त 1997 ई. को मनाई गई । इस अवसर पर सदर अंजूमन अहमदिय्या के सभी कार्यालयों में छुट्टी रही घरों में दीप माला की गई मजलिस ख़ुद्दामुल अहमदिय्या ने ऐवाने ख़िदमत में जलसे का आयोजन किया जिसके मुख्य अतिथी डिप्टी कमिश्नर गुरदासपुर थे।

प्रश्न 50. गुजरात के भूकंप में जमाअत ने क्या सेवा की ?

उत्तर:- गुजरात के भूकंप में जमाअत ने 35 लाख रू. की मदद की और लगभग एक मास तक लंगर लगा कर 14 हज़ार लोगों को खाना खिलाया । 29 हज़ार मरीज़ों का इलाज किया चीफ़ मिनिस्टर गुजरात के रीलीफ़ फ़ण्ड में डैढ़ लाख रुपये दिए ।

कुछ और बातें

प्रश्न 1. खिलाफ़ते राबेआ के दौर में पाकिस्तान में अहमदिय्यत के लिए जान का नज़राना पेश करने वाले कुछ खुशनसीबों के नाम बताएँ ?

उत्तर:- मुकर्रम चौधरी मकबूल अहमद साहिब पनु आकिल सखर, मुकर्रम मास्टर अब्दुल हकीम् अबड़ू साहिब वाराह ज़िला लाड़काना, मुकर्रम चौधरी अब्दुल हमीद साहिब मेहराब पुर, मुकर्रम कुरैशी अब्दुल रहमान साहिब सखर, मुकर्रम मलक इनामुर रहमान साहिब सखर, मुकर्रम शेख नासिर अहमद साहिब अवकाड़ाह, मुकर्रम डाक्टर अब्दुल कादिर साहिब फैसलाबाद, मुकर्रम चौधरी अब्दुर रज़ाक साहिब नवाब शाह, मुकर्रम डाक्टर अकील पिता अब्दुल कादिर साहिब हैदराबाद, मुकर्रम चौधरी महमूद अहमद साहिब पन्नू आक़िल, मुकर्रम सय्यद कमरुल हक साहिब सखर, मुकर्रम शेख ख़ालिद सुलेमान साहिब गोजरा सखर, मुकर्रम बाबू अबदुल ग़फ़्फ़ार साहिब हैदराबाद, मुकर्रम शेख मुहम्मद ज़हीर साहिब सुहावाह, मुकर्रम मिर्ज़ा मुनव्वर बेग साहिब, मुकर्रमा रुखसाना साहिबा पत्नी तारिक अहमद मर्दान, मुकर्रम डाक्टर मुनव्वर अहमद सिकरण्ड नवाबशाह, मुकर्रम नज़ीर अहमद साकी साहिब चक सिकन्दर गुजरात, मुकर्रम मुहम्मद रफ़ीक साहिब चक सिकन्दर गुजरात, मुकर्रमा नबीला स्पुत्री मुश्ताक़ अहमद साहिब चक सिकन्दर गुजरात, मुकर्रम डाक्टर अब्दुल कदीर साहिब काज़ी अहमद नवाबशाह, मुकर्रम डाक्टर अब्दुल कुद्दुस साहिब काज़ी अहमद नवाबशाह, मुकर्रम नसीर अहमद अलवी साहिब दौड़ ज़िला नवाबशाह, मुकर्रम मुहम्मद अशरफ़ साहिब जलहन, मुकर्रम राना रियाज़ अहमद साहिब लाहौर, मुकर्रम अहमद नस्रुल्लाह साहिब लाहौर, मुकर्रम डाक्टर नसीम बाबर साहिब इस्लामाबाद, मुकर्रम अब्दुर रहमान साहिब ऐडवोकेट
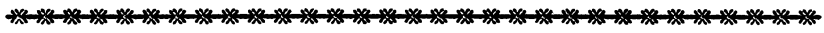
मन्ज़ूर कॉलोनी कराची, मुकर्रम दिलशाद हुसैन साहिब लाड़काना, मुकर्रम सलीम अहमद साहिब मन्ज़ूर कॉलोनी कराची, मुकर्रम अनवर हुसैन साहिब अनवराबाद लाड़काना, मुकर्रम रियाज़ अहमद खान साहिब मर्दान, मुकर्रम मियां मुहम्मद सादिक साहिब चट्ठा दाद ज़िला हाफ़िज़ाबाद, मुकर्रम चौधरी अतीक अहमद साहिब बाजवा ऐडवोकेट विहाड़ी ।

प्रश्न 2. जमाअते अहमदीय्या की औरतों के चन्दों से कौन-कौन सी मस्जिदें विदेशों में बन हो चुकी हैं ?

उत्तरः- मस्जिद फ़ज़ल (लंदन), मस्जिद मुबारक हैग (हालैंड), मस्जिद नुसरत जहां (कोपन हैगन डैनमार्क) ।

प्रश्न 3. जिन मुबल्लिगों ने दौराने तबलीग विदेशों में वफ़ात पाई उनमें से कुछ के नाम बताएँ ?

उत्तरः- हज़रत मौलाना नज़ीर अहमद अली साहिब सैरालीयोन, हज़रत हाफ़िज़ उबैदुल्लाह साहिब मॉरिशस, हज़रत चौधरी अब्दुल रहमान साहिब अमेरिका, हज़रत मौलाना अबूबकर अय्यूब साहिब हालैंड, मुकर्रम मौलाना मुबश्शिर अहमद साहिब चौधरी नाईजेरिया ।

प्रश्न 4. "मेरे फ़िर्का के लोग इस क़दर इल्म और मअरिफ़त में कमाल हासिल करेंगे कि अपनी सच्चाई के नूर और अपने दलाएल और बशारतों की रू से सबका मुंह बन्द कर देंगे" हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम की इस पेशगोई के मिसदाक ठहरने वालों में से दो का नाम बताएँ ?

उत्तरः- हज़रत चौधरी मुहम्मद ज़फ़रुल्लाह खान साहिब मोहतरम प्रोफेसर डाक्टर अब्दुस्सलाम साहिब ।

प्रश्न 5. हज़रत चौधरी मुहम्मद ज़फ़रुल्लाह खान साहिब की जन्म और मृत्यु की तिथी बताइए और और यह भी कि आप ने हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम के हाथ पर बैअत कब की ?

उत्तरः- जन्म 6 फरवरी 1893 ई., मृत्यु 1 सितम्बर 1985 ई. आपने 16 सितम्बर 1907 ई. को हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम के
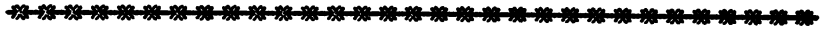
हाथ पर बैअत करने का सौभाग्य प्राप्त किया ।

प्रश्न 6. हज़रत चौधरी मुहम्मद ज़फरुल्लाह खान जिन दुनियावी पदवियों पर रहे उनमें से कुछ के नाम लिखें ?

उत्तरः- मेंम्बर पंजाब कानुन साज़ कॉन्सल, मैम्बर गोलमेज़ कॉनफ्रेन्स, मिम्बर एग़जीकटो कॉन्सल वायसराय हिन्द, रेलवे मन्त्री हिन्दुस्तान, जज फेडरल कोरट ऑफ इंडिया, पहले विदेश मन्त्री पाकिस्तान, जज और फिर उप अध्यक्ष, और अध्यक्ष इंटरनेशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस, प्रैज़िडंट जनरल असम्बली संयुक्त राष्ट्र । आप पहले व्यक्ति हैं जिन्हें जनरल असैम्बली संयुक्त राष्ट्र और अन्तर्राष्ट्रीय कोर्ट ऑफ जस्टिस दोनों के संचालक का सौभाग्य प्राप्त हुआ ।

प्रश्न 7. हज़रत मुस्लेह मौऊद ने कब और किन बुंज़ुर्गों को "खालीदे अहमदिय्यत" की पदवी दी थी ?

उत्तरः- जलसा सालाना 1956 ई. के अवसर पर निम्नलिखित तीन बुज़ुर्गों को :-

(1) हज़रत मौलाना जलालुद्दीन शमस साहिब (2) हज़रत मलक अब्दुर रहमान ख़ादिम साहिब (3) हज़रत मौलाना अबुल अता साहिब जालंधरी।

प्रश्न 8. किसी ऐसे अहमदी मुसलमान का नाम बताएँ जिस ने साईंस में नोबल पुरस्कार प्राप्त किया ?

उत्तरः- प्रोफेसर डाक्टर मुहम्मद अब्दुस्सलाम साहिब ।

प्रश्न 9. मुकर्रम डाक्टर मुहम्मद अब्दुस्सलाम साहिब को कब नोबल इनाम दिया गया ?

उत्तरः- 10 दिसम्बर 1979 ई. को ।

प्रश्न 10. मुकर्रम डाक्टर मुहम्मद अब्दुस्सलाम साहिब कब फौत हुए और कहाँ दफ़न हुए ?

उत्तरः- 21 नवम्बर 1996 ई. को ऑक्सफोरड में आपका देहान्त हुआ, 25 नवम्बर 1996 ई. को बहिश्ती मक़बरा रब्वाह में आप दफ़न हुए।

प्रश्न 11. 1994 ई. के साल को ज़माअते अहमदिय्या मे किस अज़ीमुश्शान आसमानी निशान की यादगार के तौर पर मनाया ?

उत्तर:- अन्तर्राष्ट्रीय जमाअते अहमदिय्या ने 1994 ई. के साल को 1894 ई. में दिखाई देने वाले इमाम मेहदी के निशान सूरज और चाँद ग्रहण की सौवीं सालगिराह के तौर पर मनाया ।

प्रश्न 12. "इस्लामी असूल की फ़िलासफ़ी" की सद्साला सालगिराह किस तरह मनाई गई ?

उत्तर:- 1996 ई. में हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम की किताब "इस्लामी उसूल की फ़िलासफ़ी" के सौ साल के पूरे होने पर सारी दुनिया में इसका लाखों की संख्या में प्रकाशन किया गया । कई भाषाओं में अनुवाद किए गए और हुज़ूर ने यह आदेश दिया कि हर अहमदी इस किताब का अध्ययन करे ।

प्रश्न 13. क़ादियान से छपने वाले समाचार पत्र और पत्रिकाओं के नाम लिखो ।

उत्तर:- (1) साप्ताहिक बदर (2) मासिक मिश्कात (3) मासिक राहे इमान हिंदी (4) त्रेमासिक अन्सारुल्लाह ।

प्रश्न 14. भारत में छपने वाले जमाअत अहमदिय्या की पत्रिकाओं के नाम लिखो ।

उत्तर:- (1) अलमिनारट (अंग्रेज़ी) केरला (2) सत्यदोधन मलयाली केरला (3) समाधानाबिजी तामिल चिन्नई (4) अल बुशरा बंगाली कोलकाता (5) युग रश्मी कन्नडी मैंगलूर (6) सत्या मित्रय मलयाली केरला ।

प्रश्न 15. रब्वाह से छपने वाली पत्रिकाओं के नाम लिखें ।

उत्तर:- मासिक खालीद (मजलिस खुद्दामुल अहमदिय्या)
मासिक तशहीज़ुल अज़हान (मजलिस अतफालुल अहमदिय्या)
मासिक अन्सारुल्लाह (मजलिस अन्सारुलाह)
मासिक मिस्बाह (लजना इमाइल्लाह)

प्रश्न 16. लन्दन से निकलने वाले अहमदी पत्रिकाओं व अख़बारों में से कुछ
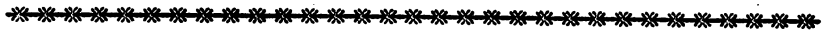
के नाम लिखें ।

उत्तर:- मासिक रिव्यू ऑफ रिलीजन्ज़, अन्ग्रेज़ी साप्ताहिक अलफ़ज़ल इंटरनेशनल, मासिक अलतक़्वा अरबी, मासिक अखबारे अहमदिय्या ।

प्रश्न 17. जलसा सालाना जर्मनी 1997 ई. की इनफरादी विशेषता बतायें।

उत्तर:- हज़ूर के दिए हुए आदेश के अनुसार इस मौका पर बोसनिन्, अलबानीन, और अरब के लोगों का अलग-अलग जलसों का पहली बार आयोजन हुआ ।

प्रश्न 18. जुलाई 2001 ई. तक जमाअत का संक्षिप्त में वर्णन करो ।

उत्तर:- दुनिया भर के 175 देशों में जमाअते अहमदीय्या स्थापित हो चुकी है । जब्कि हज़ारों जमाअतें और हज़ारों मस्जिदें बन चुकी हैं । लगभग 602 मिशन हाऊस काम कर रहे हैं । लगभग 70 अखाबरें और पत्रिकाएँ जारी हैं । अब तक 53 भाषाओं में कुरआन करीम के पूरे अनुवाद प्रकाशित हो चुके हैं । जब्कि 24 भाषाओं में तैयार हैं । इसके अतिरिक्त सैंकड़ों स्कूल व कॉलेज और हस्पताल काम कर रहे हैं । एक हज़ार से अधिक केन्द्रीय व लोकल आदमी व प्रचारक विश्व भर की जमाअतों में इस्लाम की सेवा कर रहे हैं। जिन के साथ लाखों दाई एलल्लाह इस्लाम का सन्देश पहुँचाने और मानवता की सेवा का कार्य कर रहे हैं ।

प्रश्न 19. देश विभाजन के पश्चात जमाअत अहमदिय्या ने भारत की कौन कौन सी भाषाओं में क़ुर्आन मजीद के अनूवाद प्रकाशित किए हैं ?

उत्तर:- हिंदी, गुरमुखी, उर्दू, बंगाली, तिलगू, मलयालम, तामिल, कशमीरी, आसामी, उड़िया, गुजराती, मराठी, मनी पूरी । इस के अतिरिक्त नेपाली भाषा में भी भारत से ही क़ुर्आन मजीद का अनुवाद प्रकाशित हुआ है ।

प्रश्न 20. भारत में मुस्तकिल नुमाईशें कहां कहां हैं कुछ स्थानों के नाम लिखें ।

उत्तर:- भारत के करीबन हर बड़े शहर में मुस्तकिल नुमाइशें लगाई गईं हैं

कुछ स्थानों के नाम यह हैं : कादियान, दिल्ली, हैदराबाद, कोलकाता, श्रीनगर, मुम्बई, चेन्नई ।
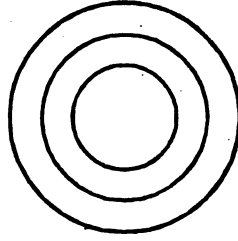
नज़ारत नश्रो इशाअत
सदर अन्जुमन अहमदिय्या
कादियान - 143516 (भारत)